कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 108 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

22 अक्टूबर 2025 बुधवार

आज का मौसम

31 अधिकतम

20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बने नीरज चोपड़ा, राजनाथ सिंह ने दी उपाधि

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बन गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी ने नीरज को यह उपाधि दी। रक्षा मंत्री और थल सेना अध्यक्ष की मौजूदगी में नीरज को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी गई। नीरज इस दौरान सेना की वर्दी में नजर आए। हरियाणा के पानीपत के पास खंडरा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय भाला फेंक एथलीट ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक 2024 में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था।

दिल्ली में 17 स्थानों पर छठ पूजा के लिए मॉडल घाट: रेखा गुप्ता

दिल्ली, एजेंसी। छठ पूजा को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तैयारियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वर्षों से यमुना पर छठ की पूजा सरकार द्वारा बंद कर दी गई थी जिस प्रतिबंध को इस बार हमारी सरकार ने हटाया है। लगभग 17 पॉइंट्स पर सरकार द्वारा मॉडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं। दिल्ली में 1000 से अधिक छठ कार्यक्रमों के लिए आवेदन आ चुके हैं। इस सब में सारी व्यवस्थाएं सरकार की तरफ से दी जाएंगी। हर जिले में कम से कम एक मॉडल छठ घाट जरूर बनाया जाएगा। इस वर्ष, शहर में छठ पूजा स्थलों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ने की उम्मीद है।

बस में लगी आग, खिड़कियों से कूदे यात्री, 20 झुलसे

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। लखीमपुर खीरी के मैगलगंज कस्बे में मुख्य चौराहे पर बुधवार सुबह उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब डग्गामार स्लीपर बस में आग लग गई। देखते ही देखते पूरी बस आग का गोला बन गई। जानकारी के अनुसार स्लीपर बस दिल्ली से सीतापुर जा रही थी। बस मैगलगंज चौराहे पर यात्रियों को उतारने और जलपान के लिए रुकी थी। इसी दौरान बस के पिछले हिस्से से धुआं उठता दिखा। कुछ ही पलों में लपटों ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। यात्रियों ने खिड़कियों और दरवाजों से बाहर निकलकर जान बचाई, जबकि उनका सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना में करीब 20 यात्री झुलस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है।

बिहार चुनाव: इंडिया ब्लॉक की खींचतान का एनडीए को हो सकता है फायदा

गठबंधन में फ्रेंडली के नाम पर कड़ी टक्कर भाजपा के लिए संकट मोचक बन गए शाह

पटना, एजेंसी

बिहार चुनाव में महागठबंधन में सीटों का बटवारा नहीं हो पाने के कारण मचे घमासान पर सभी की नजरें हैं लेकिन एनडीए में बीजेपी के असंतुष्टों की भी कमी नहीं थी। फर्क इतना है कि संकट मोचक के तौर पर एक बार फिर गृहमंत्री अमित शाह ने भूमिका निभाई। कई सीटों पर खड़े हो रहे बागियों ने शाह के हस्तक्षेप के बाद पीछे हटने का फैसला किया। उधर, इंडिया ब्लॉक में फ्रेंडली फाइट के नाम पर लगभग एक दर्जन सीटों पर आपस में ही टकराव की नौबत है। इस बीच आरजेडी की ओर से खुद को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट करवा रहे तेजस्वी यादव ने आज कई चुनावी वायदे किये।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संकटमोचक के तौर पर बनी छवि ने बिहार में भाजपा को शर्मिंदगी से बचा लिया। टिकट बंटवारे से नाराज़ चल रहे बीजेपी नेताओं को मनाने में उनकी कामयाब हो गई। पार्टी के कई असंतुष्ट नेताओं ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था या ऐसा करने की तैयारी में थे, लेकिन अमित शाह के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया। पटना की मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर कुमार ने बीजेपी की ओर से रत्नेश कुशवाहा को टिकट देने के बाद पटना साहिब सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया था। लेकिन अमित शाह से बातचीत के बाद उन्होंने नाम वापस ले लिया और पार्टी के निर्णय का सम्मान करने की बात कही। इसी तरह गोपालगंज से बीजेपी विधायक कुसुम देवी के बेटे अनिकेत कुमार ने स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर नामांकन किया था। लेकिन शाह से हुई मुलाकात के बाद कुसुम देवी ने बेटे को चुनाव मैदान से हटने के लिए राज़ी कर लिया।

बक्सर - भागलपुर में शांति

बक्सर में टिकट न मिलने से नाराज़ अमरेंद्र पांडेय ने बीजेपी उम्मीदवार को अर्बन नक्सल कहते हुए निर्दलीय पर्चा दाखिल कर दिया था। मगर बाद में उन्होंने अपनी भावनात्मक नजदीकी और पार्टी नेतृत्व के प्रति सम्मान का हवाला देते हुए नामांकन वापस ले लिया। भागलपुर में बीजेपी की राज्य मीडिया पैनलिस्ट प्रीति शेखर भी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की तैयारी में थीं, लेकिन बातचीत के बाद उन्होंने भी पीछे हटने का फैसला किया। पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा और रामसूरत राय को भी शाह ने समझा-बुझाकर निर्दलीय रूप से मैदान में उतरने से रोक दिया।

आमने-सामने की भिड़ंत

इंडिया गठबंधन के अंदर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनने के कारण करीब एक दर्जन सीटों पर फ्रेंडली फाइट की बात कही जा रही है लेकिन कई सीटें ऐसी हैं, जहां सहयोगी दल ही लड़ाई में रहेंगे। पिछला इतिहास गवाह है कि ऐसी सीटों पर आपसी लड़ाई का फायदा एनडीए को मिलता रहा है। एनडीए से मुकाबला करने के नाम पर एकजुट हुए इंडिया गठबंधन में कई सीटों को लेकर आपसी खींचतान साफ दिख रही है। आलम ये है कि 5 सीटों पर कांग्रेस बनाम आरजेडी है तो 4 पर कांग्रेस और सीपीआई आमने-सामने हैं। गठबंधन की सबसे छोटी और नई इंडिया इन्क्लूसिव पार्टी ने भी एक सीट पर कांग्रेस के सामने अपना उम्मीदवार खड़ा कर दिया है।

तेजस्वी का वादा-सरकारी होंगी जीविका दीदी

आरजेडी प्रमुख तेजस्वी यादव ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में 3 बड़े चुनावी ऐलान किए। पहला- सीएम जीविका दीदियों को सरकारी कर्मचारी दर्जा दिया जाएगा। इनकी सैलरी 10 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपए महीने की जाएगी। दूसरा- हमारी सरकार बनने के बाद सभी संविदा कर्मियों को स्थायी किया जाएगा। उन्होंने तीसरे वादे के तौर पर कहा कि हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इस दौरान मीडिया कर्मियों ने महागठबंधन पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि कल बात करेंगे। उधर, मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कई सीटों पर आरजेडी और कांग्रेस प्रत्याशियों के आमने-सामने होने से दोनों पार्टियों में दूरी बढ़ गई है। साझा घोषणा पत्र को लेकर भी सहमति नहीं बनने की खबरें हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत का आज पटना पहुँच रहे हैं । उनकी तेजस्वी यादव से मुलाकात हो सकती है। दोनों दलों की दूरियां पार्टी नेताओं के बयानों से भी जाहिर हो रही है। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा, बिहार की जनता राहुल गांधी के चेहरे पर चुनाव लड़ना चाहती है। राहुल के चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे तो हम इंडिया गठबंधन की सरकार बना पाएंगे। उधर कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि तेजस्वी का कोई विकल्प नहीं है।

केंद्रीय मंत्री हर्ष बोले- राहुल गांधी गंभीर नहीं

महागठबंधन की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित पर केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा, उनका गठबंधन स्वाभाविक नहीं है, उनके बीच आंतरिक संघर्ष है और एक ही सीट के लिए कई नामांकन दाखिल किए गए हैं, जो सदस्यों के बीच सहयोग की कमी को दर्शाता है। एनडीए को बिहार में जनादेश मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी चुनाव को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं और बिहार के लोगों के लिए चिंतित भी नहीं हैं।

कर्नाटक से पैसे भेजने की बात निराधार -शिवकुमार

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि वह बिहार चुनाव में कर्नाटक से पैसे भेज रही है। इस पर राज्य के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पलटवार किया है। उन्होंने बीजेपी नेताओं के आरोपों को ÷हिट एंड रन÷ वाला बयान बताया और सबूत पेश करने की चुनौती दी। शिवकुमार ने यह भी कहा कि बीजेपी इसलिए घबरा रही है क्योंकि इंडिया गठबंधन बिहार में सत्ता में आ सकता है। उन्होंने कर्नाटक सरकार के गिरने की बीजेपी की भविष्यवाणी को भी खारिज किया और कहा कि कांग्रेस सरकार स्थिर है। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस की ऐसी कोई रणनीति नहीं है और बीजेपी के आरोप निराधार हैं। उन्होंने बीजेपी को चुनौती दी कि अगर उनके पास कोई सबूत है तो उसे सार्वजनिक करें।

ऑपरेशन सिन्दूर का डर, पाक सेना चीफ ने फिर दी कड़े जवाब की गीदड़ भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत को गीदड़ भभकी देते हुए कहा कि पाकिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता के किसी उल्लंघन का उनकी सेना दृढ़ और निर्णायक जवाब देगी। मुनीर की ओर से हालिया दिनों में कई बार ये कहा गया है कि अगर पाकिस्तान पर हमला हुआ तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। इसे भारत के हमले के डर की तरह भी देखा जा रहा है। भारत के रक्षा मंत्री और आर्मी चीफ ने हाल ही में पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी थी। ऐसे में पाकिस्तान की आर्मी को ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई का डर सता रहा है।

डॉन ने पाक सेना की मीडिया विंग (आईएसपीआर) की ओर से जारी बयान के हवाले से बताया है कि मुनीर ने एक कार्यक्रम में देश पर बाहरी खतरों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है लेकिन अपनी क्षेत्रीय अखंडता से समझौता नहीं करेगा। पाकिस्तानी आर्मी अपने नागरिकों की रक्षा के लिए निर्णायक प्रतिक्रिया देगी।

भारत पर उठाई उंगली

असीम मुनीर ने देश में हो रहे आतंकी हमलों के लिए भारत के सिर पर ठीकरा फोड़ा है। मुनीर ने कहा कि भारत के प्रॉक्सी गुट लगातार हिंसा फैला रहे हैं। बलूचिस्तान को ऐसे गुटों के खतरे से मुक्त करने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई पाक सेना कर रही है। पाक सेना ने बलूचिस्तान में हिंसा के लिए जिम्मेदार गुटों को को फितना अल-हिंदुस्तान घोषित किया है। मुनीर ने इससे पहले भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देते हुए कहा था कि मौजूदा वातावरण में युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है। भारत दोबारा ऑपरेशन सिंदूर जैसा कोई कदम ना उठाए। मैं भारत से कहूंगा कि हम आपके दबाव में नहीं आएंगे। हम किसी भी उकसावे का निर्णायक जवाब देंगे। इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन का सैन्य संघर्ष देखने को मिला था। इसके बाद से दोनों देशों में तनातनी चल रही है।

गोवर्धन पूजा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज रेशम केंद्र गौशाला खजूरिया हातोद में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रदेश कैबिनेट के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट भी मौजूद थे। इसके बाद मुख्यमंत्री विदिशा जिले के पथरिया गांव में स्थानीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हेलिकॉप्टर गड्ढे में फंसा

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हेलिकॉप्टर के उतरने के बाद हेलीपैड का एक हिस्सा गड्ढे में फंस गया। इसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस और अग्निशमन कर्मियों ने भारतीय वायुसेना के 17 हेलीकॉप्ट को गड्ढों से धक्का देकर निकाला। घटना केरल के पथानामथिट्टा स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में हुई। यहां हेलीपैड जल्दबाजी में बनाए गए थे। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों ने कहा, कंक्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था, इसलिए जब हेलिकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं संभाल सका और जहां पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए। अधिकारियों के अनुसार, लैंडिंग की योजना मूल रूप से पंबा के पास निलक्कल में बनाई गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे प्रामदम में बदल दिया गया। हालांकि, राष्ट्रपति मुर्मू ने बिना किसी देरी के सड़क मार्ग से अपनी यात्रा जारी रखी। राष्ट्रपति चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर तिरुवनंतपुरम पहुंची थीं।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

इंटरकॉम में गड़बड़ी के कारण फ्लाइट क्रू का पायलटों से टूट गया था संपर्क

केबिन क्रू ने पीटा कॉकपिट का दरवाजा तो पायलट को लगा हाईजैक का डर, हुई विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के नेब्रास्का में अमेरिकन एयरलाइंस के एक विमान में हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां फ्लाइट को आपात लैंडिंग करनी पड़ी। विमान के उड़ान भरने के बाद पायलटों ने कॉकपिट के दरवाजे पर धमाके की आवाज सुनी, जिसके बाद उन्हें लगा कि कोई कॉकपिट में घुसकर प्लेन को हाईजैक करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद आनन-फानन में पायलटों ने सुरक्षा की दृष्टि से विमान की आपातकालीन लैंडिंग कर दी। लैंडिंग के बाद जब असलियत सामने आई तो सभी हैरान रह गाए।

पायलटों ने पाया कि यह कोई खतरा नहीं बल्कि फ्लाइट अटेंडेंट कॉकपिट का दरवाजा पीट रहा था। घटना 20 अक्टूबर की है जिसकी जानकारी अब सामने आई।

अमेरिकन एयरलाइंस की यह फ्लाइट 6469 उड़ान भरने के 40 मिनट से भी कम समय बाद नेब्रास्का के ओमाहा एयरपोर्ट पर लौट आई। यह फ्लाइट लॉस एंजेलिस के लिए जा रही थी।

पायलटों और क्रू का टूटा संपर्क

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट में एयरलाइन के प्रवक्ता के हवाले से बताया गया कि घटना तब हुई जब इंटरकॉम में गड़बड़ी के कारण फ्लाइट क्रू का पायलटों से संपर्क टूट गया। पायलटों ने इंटरकॉम पर एक जोरदार आवाज सुनी और उन्हें लगा कि कोई विमान को हाईजैक करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन असल में ये फ्लाइट अटेंडेंट थे जो कॉकपिट का दरवाजा जोर-जोर से खटखटा रहे थे। खतरे की आशंका होते ही पायलटों ने तुरंत विमान को मोड़ दिया और आपातकालीन लैंडिंग कराई। इस विमान का संचालन स्काईवेस्ट एयरलाइंस करती है। अमेरिका के संघीय उड्डयन प्रशासन ने एक बयान में कहा, स्काईवेस्ट फ्लाइट 6569 सोमवार 20 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 7.45 बजे नेब्रास्का के ओमाहा स्थित एपली एयरफील्ड पर सुरक्षित रूप से उतर गई। पायलट के केबिन क्रू से संपर्क न कर पाने पर आपातकाल की घोषणा की गई थी। बयान में आगे कहा गया कि लैंडिंग के बाद पता चला कि इंटर-फोन सिस्टम में समस्या थी और फ्लाइट क्रू कॉकपिट का दरवाजा खटखटा रहा था।

इसी हफ्ते भोपाल आएंगे मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर, यह मेट्रो का फाइनल निरीक्षण

ओके रिपोर्ट मिलते ही तय होगी कमर्शियल रन की तारीख

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर जनक कुमार गर्ग इसी सप्ताह भोपाल आएंगे। मेट्रो के कमर्शियल रन के लिए यह अहम दौरा रहेगा। उनकी ओके रिपोर्ट मिलते ही मेट्रो के कमर्शियल रन की तारीख भी फाइनल हो जाएगी। सीएमआरएस की दो टीमें पहले ही भोपाल आ चुकी हैं। मेट्रो अफसरों ने बताया कि दिवाली के एक-दो दिन बाद ही गर्ग के आने की उम्मीद है। यह दौरा एक दिन का ही रहेगा। इसके बाद फाइनल रिपोर्ट दी जाएगी। बता दें कि सितंबर में भी मेट्रो कमिश्नर गर्ग ने टीम के साथ सुभाषनगर स्थित मेट्रो डिपो और प्रायोरिटी कॉरिडोर के 6.22 किलोमीटर रूट को देखा था। वे ट्रेन में सवार हुए थे। सुभाषनगर और एम्स स्टेशन पर करीब दो घंटे तक निरीक्षण किया। इसके बाद टीम लौट गई। अब मेट्रो स्टेशन, डिपो, ट्रैक आदि देखने के लिए फिर से कमिश्नर गर्ग फिर भोपाल आएंगे।

सभी स्टेशन का निरीक्षण कर चुकी है टीम

इसके बाद CMRS की तीन सदस्यीय एक टीम 15-16 अक्टूबर को भोपाल में रही। टीम ने मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर की मुख्य लाइन, ट्रैक एवं सभी स्टेशन का निरीक्षण किया। यह भोपाल मेट्रो का दूसरा निरीक्षण था। टीम मेट्रो के सभी 8 स्टेशन- सुभाषनगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, आरकेएमपी, डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स पहुंची थी। स्टेशन पर एंट्री और एग्जिट की व्यवस्था क्या है? यात्रियों की सहुलियत के लिए क्या-क्या सुविधाएं हैं आदि के बारे में भी जाना था। सीएमआरएस की टीम यदि ओके रिपोर्ट देती है और कोई खामी नहीं बताती है तो मेट्रो के कमर्शियल रन का रास्ता साफ हो जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री को मेट्रो की शुरुआत करने का आमंत्रण दिया जाएगा।

इसी महीने कमर्शियल रन प्रस्तावित

बता दें कि इसी महीने मेट्रो का कमर्शियल रन प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे। वहीं, वे भोपाल मेट्रो के पहले यात्री भी बन सकते हैं। 31 मई को इंदौर मेट्रो को भोपाल से हरी झंडी दिखाई थी। इसके बाद से भोपाल मेट्रो को लेकर तेजी से काम शुरू हो गया। मेट्रो के जिन 3 स्टेशन के काम बचे हैं, उन पर फोकस किया जा रहा है। भोपाल मेट्रो के लिए सबसे पहले रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) की टीम आ चुकी है। इस टीम की रिपोर्ट ओके आई। इसके निरीक्षण के बाद सीएमआरएस को डॉक्युमेंट्स सबमिट किए गए। फिर निरीक्षण की तारीख फाइनल हुई।

साल 2018 से शुरू हुआ था मेट्रो का काम

भोपाल में पहला मेट्रो रूट एम्स से करोंद तक 16.05 किलोमीटर लंबा है। इसमें से एम्स से सुभाष नगर के बीच 6.22 किलोमीटर पर प्राथमिकता कॉरिडोर के तौर पर 2018 में काम शुरू किया गया था। सुभाष नगर से आरकेएमपी स्टेशन तक काम पूरा हो चुका है। इसके आगे अलकापुरी, एम्स और डीआरएम मेट्रो स्टेशन के कुछ काम बाकी है, जो पूरे किए जा रहे हैं। रेल ट्रैक के ऊपर दो स्टील ब्रिज भी बनाए गए हैं।

दो साल पहले हुआ था पहला ट्रायल- राजधानी में पहली बार मेट्रो 3 अक्टूबर 2023 को पटरी पर दौड़ी थी। तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया था।

दूसरे-विभागों को दी गई जमीन का डेटा जुटाना है

पीडब्ल्यूडी की सभी संपत्तियों का बनेगा रिकॉर्ड रूम, तेजी से चल रहा है मैपिंग का काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोक निर्माण विभाग की मप्र में मौजूद संपत्तियों का रिकॉर्ड एकत्रित किया जा रहा है। विभाग की सभी 1500 इंजीनियरों को इस काम में लगा दिया गया है। इन संपत्तियों के दस्तावेजों को रखने के लिए एक रिकॉर्ड रूम भी बनाने की तैयारी है। बताया जाता है कि जिले में सभी दस्तावेज अब इसी रिकॉर्ड रूप में रखे जाएंगे और इनकी ?डिजिटल कॉपी भी रहेगी।

साथ ही कहां-कितनी संपत्ति है, उसका पूरा हिसाब मुख्यालय पर रखा जाएगा। इसमें सभी संपत्ति शामिल की जाएगी, लेकिन विवादित और दूसरे विभागों को लीज पर या किसी सरकारी योजना के लिए दी गई जमीन पर विशेष फोकस रहेगा।

इस रिकॉर्ड रूम को मेंटेन रखने का जिम्मा एक असिस्टेंट इंजीनियर का रहेगा और नोडल ऑफिसर जोन के चीफ इंजीनियर रहेंगे। इस पर काम शुरू हो गया है और प्रदेश के प्रत्येक जिले में मौजूद विभाग की संपत्ति की मैपिंग की जा रही है।

छतरपुर संपत्ति मामले के बाद शुरू की मैपिंग

छतरपुर में पीडब्ल्यूडी की एक संपत्ति निजी नाम पर रजिस्टर्ड हो गई। करीब 9 करोड़ रुपए कीमत वाली पीडब्ल्यूडी की यह संपत्ति निचले कोर्ट में जीतने के बाद भी निजी नाम पर रजिस्टर्ड ?होने से हड़कंप मच गया था। इसके बाद यह भी पता चला कि छतरपुर जिले में ऐसी करीब 30 से अधिक प्रॉपर्टी हैं, जिन पर अलग-अलग लोगों ने दावेदारी कर रखी हैं। इसके बाद मप्र के बाकी जिलों में सर्चिंग शुरू हुई।

इनके दस्तावेज रिकॉर्ड रूम में रखने के साथ पीएम गति शक्ति पोर्टल पर भी इनकी जानकारी दर्ज करने के लिए कहा गया है। जानकारी के अनुसार विभागीय मंत्री राकेश सिंह ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी जिलों में विभाग की प्रॉपर्टी तेजी से जुटाकर उसका डेटा अपडेट किया जाए।

पहले दी गई अनुमति की जानकारी नहीं जुटा पाए

जून माह में विभाग ने आदेश दिए गए थे कि अब कोई भी इंजीनियर सीधे पीडब्ल्यूडी की जमीन पर दूसरे किसी भी विभाग को उनकी जमीन पर निर्माण के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नहीं दे सकेंगे। अब किसी भी अन्य विभाग को यदि पीडब्ल्यूडी की जमीन चाहिए तो फाइल विभाग तक जाएगी, इसके बाद परीक्षण होगा और उचित लगा तो एनओसी मिलेगी। पहले दी गई अनुमति की भी जानकारी जुटानी थी। जो 5 माह बाद भी यह एकत्रित नहीं की जा सकी है।

सोशल मीडिया ने फैलाया क्रेज, आंख बचाना हो रहा मुश्किल

मप्र में देसी पटाखा गन फोड़ रही बच्चों की आंखें, तीन दिन में सामने आए 122 केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज के नेत्र वार्ड में मंगलवार की दोपहर सात साल का अलजैन बिलख रहा था। वजह थी दिवाली की रात वह अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए 'देसी पटाखा गन' चला रहा था। जैसे ही गन ने फायर करना बंद किया, उसने मासूम जिज्ञासा में उसकी नाल में झांका, अगले ही पल तेज धमाका हुआ और उसकी लेफ्ट आंख जल गई।

डॉक्टरों ने बताया कि आंख में अंदर तक कार्बाइड के टुकड़े घुस गए थे। डेढ़ घंटे चले ऑपरेशन में उन्हें निकाल तो दिया गया, लेकिन डॉक्टर अब भी उसकी आंख की रोशनी को लेकर निश्चित नहीं हैं। अलजैन जैसे कई और बच्चे इस खतरनाक 'देसी पटाखा गन' के शिकार बने हैं। सोशल मीडिया के वीडियो देखकर यह गन दिवाली का नया 'ट्रेंड' बनी, लेकिन अब यह बच्चों की आंखों से रोशनी और परिवारों की खुशियां छीन रही है।

तीन दिन में 122 बच्चे घायल, भोपाल में सबसे ज्यादा केस- देसी पटाखा गन से आंखों के क्षतिग्रस्त होने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। 19 से 21 अक्टूबर शाम 7 बजे तक 122 मामले अलग-अलग अस्पतालों से सामने आ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 36 केस भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में दर्ज हुए। विदिशा मेडिकल कॉलेज में 12 और सागर मेडिकल कॉलेज में 3 और इंदौर में 3 केस आए। बाकी केस भोपाल के सरकारी और अस्पतालों और क्लीनिकों में दर्ज हुए हैं।

गांधी मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग में डॉ. एस.एस. कुबरे और डॉ. अदिति दुबे समेत 5 रेजिडेंट डॉक्टरों की टीम इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात हैं। टीम से मिली जानकारी के अनुसार, इस गन से आंखों की कॉर्निया बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रही हैं।

सिर्फ साफ पानी से धोएं, बिना देर किए डॉक्टर से संपर्क करें

डॉ. रौनक अग्रवाल ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति की आंख में इस गन के कारण चोट लगे, तो उसे आंख रगड़नी नहीं चाहिए। ऐसा करने से कार्बाइड के कण अंदर घुस जाते हैं, जिससे स्थायी नुकसान हो सकता है। इसमें सबसे बड़ा खतरा कॉर्निया के क्षतिग्रस्त होने का है। कई केस में इमरजेंसी सर्जरी ही विकल्प बनती है। यदि कोई इस गन की चपेट में आए तो ना हाथ लगाएं और ना आंख साफ करने का प्रयास करें।

केस वन- गन नहीं फटी, देखा तो धमाका हो गया

भोपाल के पॉलीटेक्नीक क्षेत्र में रहने वाले 7 वर्षीय अलजैन की मां रेश्मा ने बताया कि यह गन हमने पटाखा मार्केट से खरीदी थी। वो चलाते-चलाते रुक गई। अलजैन ने जैसे ही उसकी नाल में झांका, तभी यह फट गई। आंख से खून निकलने लगा, हम घबरा गए। तुरंत उसे लेकर जीएमसी पहुंचे। डॉक्टरों ने कहा कि आंख में अंदर तक कार्बाइड के टुकड़े हैं।

केस टू- 48 घंटे बाद भी आंखों के सामने 'सफेदी'

नेत्र विभाग में भर्ती एक अन्य मरीज प्रशांत पुराने भोपाल के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने आंखों में घुसे कार्बाइड के टुकड़े हटा दिए हैं, लेकिन अब भी उसी आंख से सिर्फ सफेद धुंध दिखाई दे रही है।

सस्ती देसी गन बनी खतरनाक ट्रेंड

बाजार में 100 से 200 रुपए में मिलने वाली यह गन अब 'खतरनाक ट्रेंड' बन चुकी है। डॉ. एसएस कुबरे ने बताया कि इसमें भरा कैल्शियम कार्बाइड (ष्टड्डद्यष्द्बह्वद्व ष्टड्डह्म्ड्ढद्बस्रद्ग) पानी के संपर्क में आने पर एसीटिलीन गैसबनाता है। यह गैस विस्फोट के साथ जलती है और सेकेंडों में आंखों, त्वचा और चेहरे को झुलसा देती है।

गैस से हो सकता है मस्तिष्क को नुकसान

जीएमसी के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अदिति दुबे ने बताया कि एसिटिलीन गैस सांस के जरिए शरीर में पहुंचकर दिमाग और नसों को नुकसान पहुंचा सकती है। लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से ऑक्सीजन की कमी, सिरदर्द, चक्कर, याददाश्त में कमी, मानसिक भ्रम और मस्तिष्क में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सोशल मीडिया बना आग लगाने वाला ट्रेंड

भोपाल के निवासी पुष्पेंद्र ठाकुर ने बताया, मैंने इंस्टाग्राम पर इस गन का वीडियो देखा था। असली में देखने के बाद इसे खरीद लिया। डॉक्टरों का कहना है कि रील्स और शॉर्ट वीडियो इस गन को बच्चों में रोमांचक बना रहे हैं, जबकि असल में यह खतरनाक है।

आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है

डॉ. हेमलता यादव ने बताया कि इस गन के विस्फोट से आंख की काली पुतली और कॉर्निया बुरी तरह डैमेज होते हैं। कई मामलों में स्टेम सेल डिफिशिएंसी से कॉर्निया स्थायी रूप से खराब हो सकता है। ऑप्टिक न्यूरोपैथी और रेटिना में सूजन होने पर मरीज हमेशा के लिए अंधेपन का शिकार हो सकता है। यह बेहद खतरनाक पटाखा है, इसका इस्तेमाल बंद होना चाहिए।

गोवर्धन पूजा नगर निगम कांजी हाउस शाहजहानाबाद में महापौर श्रीमती मालती राय ने गोवर्धन पूजा कर गौमाता की पूजा अर्चना कर गौ सेवकों का सम्मान किया इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री आर के सिंह बघेल, श्री मनोज राठौर एवं अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बीयू में फिर से शुरू होगा डिस्टेंस एजुकेशन

भोपाल। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) में एक बार फिर से डिस्टेंस एजुकेशन विभाग (दूरस्थ शिक्षा केंद्र) शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने हाल ही में जुलाई-अगस्त से शुरू होने वाले एकेडमिक सेशन 2025-26 के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन कोर्स चलाने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों की लिस्ट जारी की है। इसमें देशभर की 101 यूनिवर्सिटीज को ओडीएल और 113 यूनिवर्सिटीज को ऑनलाइन कोर्स संचालित करने की अनुमति दी गई है। इनमें मध्यप्रदेश की देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, जीवाजी यूनिवर्सिटी, भोज यूनिवर्सिटी और महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय यूनिवर्सिटी को भी स्थान मिला है।

हालांकि, इस सूची में फिलहाल बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी का नाम शामिल नहीं है। इसका कारण यह है कि बीयू का डिस्टेंस एजुकेशन विभाग करीब पांच साल पहले बंद हो गया था। उस समय विश्वविद्यालय को नैक से केवल बी-ग्रेड प्राप्त था, जिसके चलते यूजीसी ने ओडीएल प्रोग्राम की अनुमति निरस्त कर दी थी। लेकिन हाल ही में बीयू ने अपनी अकादमिक और प्रशासनिक व्यवस्था को सुधारते हुए ए-ग्रेड हासिल कर ली है।

मप्र के दक्षिणी हिस्से में सिस्टम एक्टिव, आंधी-बारिश

इंदौर समेत 15 जिलों में पानी गिरने, गरज-चमक का अलर्ट, कल भी ऐसा ही मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से में आंधी, बारिश और गरज-चमक का सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से दक्षिणी जिलों में मौसम बदला हुआ है। दिवाली की रात जबलपुर में तेज बारिश हुई तो मंगलवार को भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई। ऐसा ही मौसम बुधवार को भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने अलीराजपुर, धार, बड़वानी, इंदौर, खरगोन, देवास, खंडवा, हरदा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है। वहीं, 23, 24 और 25 अक्टूबर को भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्व अरब सागर में एक निम्न दवाब क्षेत्र एक्टिव है। यह अगले 24 घंटे के दौरान अवदाब में परिवर्तित होने लगेगा। वहीं, चक्रवात की एक्टिविटी भी की है। इनका असर प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में देखने को मिलेगा।

रात में ठंड, दिन में गर्मी का असर

हल्की बारिश, गरज-चमक और आंधी के बीच प्रदेश में रातें ठंडी भी हो गई है, लेकिन दिन गर्म है। मौसम विभाग के अनुसार, अक्टूबर में ऐसा ही मौसम रहेगा। नवंबर के दूसरे सप्ताह से तेज ठंड का दौर शुरू हो जाएगा। मौसम विभाग ने अक्टूबर महीने में मौसम का मिला-जुला असर रहने की संभावना जताई है। रात व सुबह हल्की ठंड है तो दिन में धूप का असर बना रहेगा। कहीं-कहीं बारिश का अनुमान भी है, लेकिन नवंबर के दूसरे सप्ताह से तेज ठंड का दौर शुरू हो जाएगा। मौसम का मिजाज बदलने से रात के तापमान में फिर गिरावट हुई है। सोमवार-मंगलवार की रात में भोपाल का न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इंदौर में 18.6 डिग्री, ग्वालियर-उज्जैन में 19.5 डिग्री और जबलपुर में 21 डिग्री रहा। राजगढ़ में सबसे कम 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

मेट्रो एंकर

एम्स भोपाल के डॉक्टर को नेशनल रिसर्च ग्रांट

अब मरीजों के लिए तैयार होगा पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट मॉडल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल के डॉक्टर सुनील पाटीदार को रूमेटाइड आर्थराइटिस के मरीजों के लिए एक नई दिशा तय करने वाले रिसर्च के लिए भारतीय रूमेटोलॉजी एसोसिएशन से दो लाख रुपए का राष्ट्रीय रिसर्च अनुदान मिला है। उनका यह रिसर्च इस बात पर केंद्रित है कि कौन-से मरीजों पर मेथोट्रेक्सेट नामक दवा सबसे अधिक असरदार साबित होती है।

यह दवा आर्थराइटिस के उपचार में सबसे सामान्य रूप से दी जाती है, लेकिन हर मरीज पर इसका असर एक जैसा नहीं होता। इस रिसर्च से डॉक्टरों को यह समझने में मदद मिलेगी कि किन मरीजों को यह दवा देना अधिक प्रभावी रहेगा, जिससे भविष्य में पर्सनलाइज्ड और सटीक इलाज का रास्ता खुलेगा। यह अध्ययन एम्स भोपाल के जनरल मेडिसिन विभाग में प्रोफेसर वैभव कुमार इंगले के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

रूमेटाइड आर्थराइटिस के इलाज में नई दिशा- एम्स भोपाल के जनरल मेडिसिन विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. सुनील पाटीदार का चयन भारतीय रूमेटोलॉजी एसोसिएशन द्वारा नेशनल रिसर्च ग्रांट के लिए किया गया है। उन्हें दो लाख रुपए का अनुदान का प्रदान किया गया है।

रिसर्च से तय होगा कौन-से मरीज पर दवा कारगर- डॉ. पाटीदार का रिसर्च इस दिशा में है कि रूमेटाइड आर्थराइटिस के मरीजों में मेथोट्रेक्सेट दवा का असर हर व्यक्ति पर क्यों अलग होता है। इसके लिए 'मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग' तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जो शरीर में मौजूद सूक्ष्म रासायनिक तत्वों का विश्लेषण कर यह अनुमान लगाएगी कि मरीज की बॉडी दवा पर कैसी प्रतिक्रिया देगी।

लाखों मरीजों को मिलेगा फायदा- रूमेटाइड आर्थराइटिस एक पुरानी सूजन संबंधी बीमारी है, जो जोड़ों में दर्द, सूजन और चलने-फिरने की क्षमता में कमी का कारण बनती है। इस रिसर्च के नतीजे आने वाले समय में इस बीमारी के मरीजों को सटीक और व्यक्तिगत इलाज की सुविधा देंगे। यानी हर मरीज के शरीर की स्थिति के अनुसार उपचार तय किया जा सकेगा। इससे न केवल दवा के दुष्प्रभाव कम होंगे बल्कि इलाज के परिणाम भी अधिक प्रभावी होंगे।

एम्स भोपाल की रिसर्च दिशा में उपलब्धि

प्रो. वैभव इंगले ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए गर्व का विषय है बल्कि मध्यप्रदेश में उच्च स्तरीय चिकित्सा अनुसंधान को बढ़ावा देने वाला उदाहरण भी है। यह अध्ययन मेडिकल साइंस में 'प्रिसिजन मेडिसिन' की दिशा में अहम योगदान देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रवींद्र भवन में गोवर्धन पूजा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में नर्तक दलों की प्रस्तुति का आनंद लिया।

डिप्टी सीएम देवड़ा ने लामगरी स्थित कमलमुनि चिन्मयानंद गौशाला में की गोवर्धन पूजा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा नेमंदसौर में गुरूदेव कमलमुनि चिन्मयानंद गौशाला लामगरी-नगरी में गोवर्धन पूजा की। उन्होंने गौ माता को गुड़ एवं रोटी खिलाई और गाय-बछड़ों को दुलारा। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने सभी को दीपावली और गोवर्धन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी को गौमाता की सेवा और गौपालन करना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति हमें प्रकृति से जुड़ना सिखाती है। गौमाता अपने बछड़े के साथ हम सबका भी ध्यान रखती हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौशाला में बिजली की व्यवस्था शीघ्र कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि सोयाबीन के लिए भावांतर भुगतान योजना प्रारंभ की गई है, जो किसानों और व्यापारियों के बीच सेतु का कार्य करेगी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने गौशाला सेवादारों का सम्मान कर अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया। देवड़ा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का मार्ग स्वदेशी से होकर जाता है। छोटे एवं कुटीर उद्योगों से निर्मित वस्तुएं खरीदें, हर घर स्वदेशी और घर-घर स्वदेशी का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, इसके लिए हमें स्वदेशी चीजों को अपनाना होगा।

शिवराज-प्रहलाद-विजयवर्गीय भी नहीं ला पाए मप्र के लिए फंड

44 हजार करोड़ में से सिर्फ 8 हजार करोड़ रुपए ही मिले, अधूरी रह जाएंगी योजनाएं

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मोहन सरकार के राजस्व जुटाने वाले अफसरों के फेल्योर के बीच केंद्र सरकार की ओर से भी राज्य सरकार को पहली छमाही में योजनाओं के लिए पर्याप्त बजट नहीं दिया गया। केंद्र से मिलने वाले इस फंड को दिलाने में केंद्र में एमपी का नेतृत्व करने वाले केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और एमपी के पावरफुल मंत्री प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय भी कमजोर साबित हुए हैं।

दरअसल, चालू वित्त वर्ष में राज्य सरकार को केंद्र सरकार से 44355.95 करोड़ दिए जाने का प्रावधान किया गया है, इसके विपरीत केंद्र सरकार ने अब तक 8027.12 करोड़ रुपए ही राज्य सरकार को दिए हैं। यह केंद्र से मिलने वाली अंश राशि का सिर्फ 18.07 प्रतिशत है। इसका असर प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से चलने वाली योजनाओं पर भी पड़ना तय है। बता दें कि मोहन सरकार के राजस्व जुटाने वाले विभाग पहली छमाही के लिए तय टारगेट के मुकाबले पांच हजार करोड़ से अधिक का राजस्व नहीं जुटा पाए हैं। जो सरकार के खजाने में जमा होना था। इससे सरकार का घाटा बढ़ना तय है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने इस साल अब तक अलग-अलग विभागों में केंद्र और राज्य सरकार की मदद से संचालित जिन योजनाओं के लिए फंड नहीं दिया है, उसमें एमपी में खोले जा रहे नए मेडिकल कॉलेज, उपस्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना, पीएम आवास योजना शहरी, पीएम ई बस योजना, जल जीवन मिशन का काम, ई विधान समेत अन्य योजनाओं के लिए राशि नहीं मिलना शामिल है। केंद्र के हिस्से की राशि नहीं मिलने के कारण राज्य सरकार इन योजनाओं में अपने हिस्से की राशि नहीं मिला रही है।

खनिज, जेल और राजस्व विभाग को नहीं मिले रुपए

छह माह बीतने के बाद भी जिन विभागों के लिए केंद्र सरकार से राज्य सरकार को एक भी रुपए नहीं मिले हैं, उनमें खनिज साधन विभाग, जेल विभाग के साथ राजस्व विभाग शामिल है। जेलों के आधुनिकीकरण के लिए 15 करोड़ तो डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण के लिए 50 करोड़ मिलना है। सहकारिता विभाग को 8.07 करोड़ मिलने थे, लेकिन एक भी रुपए नहीं मिले हैं। श्रम विभाग को 1.24 करोड़ मिलना है पर नहीं मिले हैं। केंद्र सरकार ने प्रदेश में जल जीवन मिशन में किए गए भ्रष्टाचार और पीएचई मंत्री पर लगे कमीशनखोरी के आरोपों के बीच इस वित्त वर्ष में अब तक पीएचई विभाग को एक रुपए भी नहीं दिए हैं। जबकि केंद्र द्वारा पीएचई विभाग को जल जीवन मिशन के लिए 8561.22 करोड़ रुपए देने का प्रावधान है।

फाइनेंस को 420.27 करोड़ मिले

वित्त विभाग को पहली छह माही में केंद्र सरकार ने 14 वें वित्त आयोग के अंतर्गत नगरीय निकायों के लिए 38.40 करोड़ तथा अतिरिक्त अनुदान के रूप में 381.87 करोड़ समेत कुल 420 करोड़ 27 लाख रुपए दिए हैं। ग्रामीण विकास विभाग को 9774.23 करोड़ देने का प्रावधान अलग-अलग स्कीम में किया गया है लेकिन इसके विपरीत 2782.60 करोड़ ही दिए गए हैं। इसमें पीएम आवास योजना के लिए 2640 करोड़ के बदले 1987.16 करोड़ और मनरेगा के लिए 3160 करोड़ के बदले 533.21 करोड़ तथा प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के लिए 576.01 करोड़ के बदले 174.28 करोड़ की राशि शामिल है।

नए मेडिकल कालेज, उप स्वास्थ्य केंद्रों के लिए नहीं मिला फंड

लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के लिए केंद्र से इस साल 5181.25 करोड़ रुपए मिलने थे। जिसके विपरीत 1035.58 करोड़ रुपए ही एमपी सरकार के खजाने में आ सके हैं। यह राशि एनआरएचएम में मिली है। नए मेडिकल कालेज के लिए 250 करोड़, उप स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 724 करोड़ और आयुष्मान भारत के लिए 796 करोड़ मिलने हैं जो नहीं दिए गए हैं।

केन-बेतवा, बांधों के लिए भी राशि मिलना बाकी

जल संसाधन विभाग को 945 करोड़ रुपए मिलने थे जिसमें से 4.68 करोड़ रुपए मिल पाए हैं। इसमें 630 करोड़ रुपए केन बेतवा परियोजना और 290 करोड़ रुपए बांध और अन्य कार्यों के लिए दिए जाना शामिल है जो अभी मिलना बाकी है।

पीएम आवास शहरी और पीएम ई बस के लिए भी नहीं मिली रकम

नगरीय विकास और आवास विभाग को 1954.07 करोड़ मिलने हैं लेकिन अब तक सिर्फ पांच करोड़ मिले है। जो प्रावधान किए गए हैं उसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के 761 करोड़ शामिल हैं जो नहीं मिले हैं। साथ ही पीएम ई बस सेवा के 66 करोड़ भी मिलने बाकी हैं।

पहली बार पीथमपुर भेजेंगे पटाखे का कचरा

भोपाल में 400 टन कचरा ज्यादा निकला, सुबह से 11 हजार कर्मचारी सफाई में जुटे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

इस बार दिवाली पर निकले पटाखे के कचरे को धार जिले के पीथमपुर भेजा जाएगा। कंटेनर के जरिए हेजर्डस्ट वेस्ट को नगर निगम की अनुबंधित फर्म पीथमपुर भेजेगी। जहां कचरे को नष्ट किया जाएगा। ऐसा पहली बार होगा। अब तक आदमपुर छावनी स्थित साइंटिफिक लैंडफिल साइट में इनर्ट वेस्ट के साथ दफन किया जाता रहा है।

दिवाली की रात करीब 15 करोड़ रुपए के पटाखे चलाए गए। इसे आज कलेक्ट किया जा रहा है। इसके लिए करीब 11 हजार सफाईकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। पटाखे और दूसरे कचरे को अलग-अलग रखा जा रहा है। सफाईकर्मी यह कचरा हैजार्ड्स वेस्ट (खतरनाक कचरा) के रूप में कलेक्ट कर रहे हैं।

बता दें कि दिवाली की साफ-सफाई होने से शहर में हर रोज 1100 टन कचरा रोज निकल रहा था। आम दिनों की तुलना में यह 300 टन बढ़ गया था। दिवाली की रात पटाखे फोड़ने के चलते यह 13 से 14 टन तक पहुंच गया है। यानी, करीब 400 टन कचरा अधिक निकला है।

बाजारों से भी निकला है कचरा

दिवाली के बाद बाजारों और मुख्य मार्गों से लेकर कॉलोनियों में बड़े पैमाने पर पटाखों का कचरा इकट्ठा हो रहा है। अब तक इसे सफाई कामगार नियमित झाड़ू लगाकर साधारण ड्राई वेस्ट के साथ कलेक्ट करते रहे हैं। पटाखों के कचरे को हैजार्डस वेस्ट माना गया है, क्योंकि इसमें बड़ी मात्रा में बारूद और अन्य खतरनाक मैटलिक कंपाउंड होते हैं। इसलिए इसे अलग रखा जा रहा है। एमआईसी मेंबर बघेल ने बताया, आम दिनों में 2 से 3 बार डोर-टू-डोर कचरा गाड़ियां पहुंचती हैं, लेकिन मंगलवार को यह 4 से 6 बार तक जाएगी।

किसानों को खुशखबरी...मंडियों में सीसीटीवी से होगी निगरानी, सुविधा के लिए हेल्प डेस्क

भोपाल। प्रदेश में 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक सोयाबीन का विक्रय भावांतर योजना के दायरे में रहेगा। मंडी के प्रवेश द्वार और प्रांगण की सीसीटीवी निगरानी की जाएगी। प्रत्येक मंडी में हेल्प डेस्क बनाई गई है, ताकि किसानों को कोई परेशानी ना हो। यह निर्देश मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मंगलवार को योजना की समीक्षा के दौरान दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भावांतर योजना के लिए 9.36 लाख किसानों

ने पंजीयन करवाया है। उज्जैन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, सीहोर, विदिशा और सागर में 50-50 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है। 21 जिलों से 10-10 हजार से अधिक किसानों के पंजीयन हुए हैं। सभी मंडियों और उपमंडियों में सोयाबीन विक्रय के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर लें। ई-उपार्जन पोर्टल के माध्यम से किसानों के पंजीकृत बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भावांतर राशि का भुगतान निर्धारित अवधि में किया जाए। इसकी सूचना भी एसएमएस के माध्यम से उन्हें दी जाए। इसके साथ ही एक अन्य बैठक में सोलर पंप योजना को लेकर विचार-विमर्श हुआ।

ऊर्जा मंत्री ने दीपावली पर्व पर किया सब-स्टेशन फूलबाग का औचक निरीक्षण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दीपावली की रात्रि में ग्वालियर स्थित मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एम.पी. ट्रांसको) के 132 के.व्ही. सब-स्टेशन, फूलबाग का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सब-स्टेशन से संचालित 33 के.व्ही. फीडरों की ट्रिपिंग स्थिति एवं उन पर लोड की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों से विद्युत आपूर्ति की स्थिति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

वन विभाग का बड़ा सर्वे

41 वन मंडलों में मंदिर ढूंढ निकाले, 22 वनमंडलों में अभी जारी है सर्वे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

वन विभाग ने प्रदेश के जंगलों का सर्वे कराकर उनमें मौजूदा जनजातीय वर्ग के 1149 मंदिर (देवस्थान) खोज निकाले हैं। इनमें हजारों वर्ष पुराने कई प्राचीन शिव और विष्णु मंदिर भी शामिल हैं। वन विभाग द्वारा कराए गए सर्वे में प्रदेश के 63 वनमंडलों में से 41 वनमंडलों में यह देवस्थान मिले हैं। इनकी डिटेल सूची तैयार कर वन विभाग ने मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी है, जबकि 22 वन मंडलों में सर्वे का काम अभी जारी है। गौरतलब है कि दो माह पूर्व सीएम डॉ. मोहन यादव ने वन विभाग की समीक्षा बैठक में जंगलों के भीतर मौजूद मंदिर और आस्था स्थलों की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए थे। सीएम ने इन देवस्थानों के संरक्षण के लिए योजना बनाने को कहा था। इन मंदिरों की सूची में नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी के जंगलों में मौजूद चौरागढ़ महादेव मंदिर, रायसेन जिले के महलपुर पाठा के जंगलों में 12वीं सदी का प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर भी शामिल है। इन्हीं में उत्तर बैतूल वनमंडल के छतरपुर गांव के पास रावण देव नामक धर्मस्थल भी मिला है, जिसे स्थानीय आदिवासियों द्वारा देवता रावण देव के के रूप में पूजा जाता है। यहां स्थानीय आदिवासी मनोकामानएं पूरी करने के लिए आते हैं। वहीं चौरागढ़ महादेव मंदिर मप्र के साथ ही महाराष्ट्र और गुजरात के आदिवासी पैदल यात्रा कर त्रिशूल चढ़ाने आते हैं।

मेट्रो एंकर मंत्री निर्मला भूरिया ने की गोवर्धन पूजा, गौसेवकों का किया सम्मान

गोसेवा, संस्कृति और जन-जागरूकता का संगम

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं के संरक्षण को नया आयाम देते हुए प्रदेश में गोवर्धन पूजा का आयोजन श्रद्धा, उत्साह और परंपरागत गरिमा के साथ मनाया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले की श्री शबरी गौशाला, भूरा डाबरा में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में विधि-विधान से पूजन, आरती एवं परिक्रमा कर प्रदेशवासियों के लिए समृद्धि, स्वास्थ्य और पर्यावरण संतुलन की कामना की।

मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि गौसंरक्षण हमारी संस्कृति, आस्था और अर्थव्यवस्था से जुड़ा विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश

में दुग्ध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया गया है, और इसके लिए वैज्ञानिक पशुपालन और जन-भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा की गोवर्धन पूजा के इस आयोजन ने न केवल धार्मिक परंपरा को सहेजने का कार्य किया, बल्कि समाज में पर्यावरण एवं पशुधन संरक्षण की दिशा में जनचेतना का भी सशक्त संदेश दिया। मंत्री भूरिया ने गौसेवा में लगे सात गौसेवकों को शॉल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया।

पंचायत स्तर होगा गोष्ठियों का आयोजन

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि जिले में गौशालाओं के माध्यम से पशुपालकों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण देने की योजनाएँ तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर संगोष्ठियों का आयोजन होगा, जिनमें पशुपालकों को सेक्स-सॉर्टेड सीमेन, अजोला, संतुलित आहार जैसी उन्नत तकनीकों से अवगत कराया।

ट्रंप- जिनपिंग मुलाकात से पहले तनाव !

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की आगामी मुलाकात से पहले दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। ट्रंप ने चीन पर 155% तक टैरिफ लगाने की धमकी दी है, जिसका मुख्य कारण रेयर अर्थ मिनरल्स (दुर्लभ पृथ्वी खनिज) को लेकर उपजा विवाद है। चीन द्वारा इन खनिजों के निर्यात पर नए नियम लागू करने के बाद अमेरिका की टेक और हथियार कंपनियों पर असर पड़ने की आशंका है। इस बीच, अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया के साथ रेयर अर्थ सप्लाई को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता किया है, जिससे चीन पर निर्भरता कम करने की उसकी कोशिशें तेज हो गई हैं। यह टकराव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर डाल सकता है, जैसा कि पहले भी देखा जा चुका है।

ट्रंप की नाराजगी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के साथ व्यापार समझौते में देरी को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर ट्रेड डील फाइनल नहीं हुई तो चीन पर 155त्न तक का टैरिफ लगाया जा सकता है। यह धमकी ऐसे समय में आई है जब ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच जल्द ही एक महत्वपूर्ण मुलाकात होने वाली है। इस मुलाकात का मकसद दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापारिक तनाव को कम करना है, लेकिन ट्रंप के कड़े रुख से यह उम्मीदें धूमिल होती दिख रही हैं।

इस पूरे विवाद की जड़ रेयर अर्थ मिनरल्स हैं। ये ऐसे खास खनिज होते हैं जिनका इस्तेमाल स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक कार और आधुनिक हथियारों जैसे कई हाई-टेक उत्पादों में होता है। दुनिया भर में इन खनिजों की 90त्न सप्लाई चीन से होती है। इसी महीने की 9 तारीख को चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात को लेकर कुछ नए नियम जारी किए। इन नियमों से सीधे तौर पर अमेरिका की बड़ी टेक और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ने वाला था। चीन के इस कदम से अमेरिका में हड़कंप मच गया। यह मामला सिर्फ अमेरिका और चीन तक ही सीमित नहीं है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। इस साल अप्रैल में भी टैरिफ और रेयर अर्थ मिनरल्स को लेकर दोनों देशों के बीच बड़ा टकराव हुआ था, जिसका असर दुनियाभर की कंपनियों पर पड़ा था। अगर यह मामला नहीं सुलझता है, तो फिर से वही संकट खड़ा हो सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक बार फिर झटका लग सकता है।

भ्रष्टाचार का बढ़ता साम्राज्य... जब अंतरात्मा ही बिकने लगे

डॉ. प्रमोद शंकर सोनी
होम्योपैथिक चिकित्सक,सामाजिक विश्लेषक

जरा इन खबरों पर नजर डालिये। पंजाब के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के यहां रिश्वत के आरोप में गिरफ्तारी के बाद आज पड़ी CBI के छापे में 7 करोड़ रुपए कैश, सोना मंहगी घड़ियां,शराब और आलीशान कारों का जखीरा मिलता है। सिवनी जिले की एसडीओपी पूजा पांडे 2 करोड़ 96 लाख की हवाला डकैती में गिरफ्तार।बालाघाट कोतवाली के प्रभारी राजीव पंद्रे मालखाने में जमा 55 लाख रुपये नकद और 10 लाख के गहने बेचकर जुए में हार गए।

इंदौर और ग्वालियर के रिटायर्ड जिला आबकारी अधिकारियों के घर लोकायुक्त की छापेमारी में 15 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति मिली। मध्यप्रदेश कॉडर की 2018 बैच की सिविल सेवा टॉपर IAS सृष्टि देशमुख के पति नागार्जुन बी. गौड़ा, जो स्वयं भी IAS हैं, पर 10 करोड़ की रिश्वत लेने का आरोप लगा। वहीं हरियाणा के वरिष्ठ IPS अधिकारी वाई. पूरन कुमार भ्रष्टाचार के आरोपों से आहत होकर आत्महत्या कर लेते हैं, और कुछ दिनों बाद उन्हीं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर एक ASI स्वयं को गोली मार लेता है।

ये घटनाएँ केवल कुछ उदाहरण मात्र हैं , असलियत इससे कहीं अधिक भयावह और डरावनी है। सच कहा जाए तो आज भ्रष्टाचार कोई लुके-छिपे किया जाने वाला अपराध नहीं रहा, बल्कि खुलेआम गर्व से किया जाने वाला सिस्टम बन चुका है। अब यह केवल अनुभवी अफसरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नए, युवा और सोशल मीडिया पर ईमानदारी का बखान करने वाले मोटिवेशनल स्पीच देने वाले चेहरों तक फैल चुका है।

क्या वर्षों पहले भी ऐसा ही था: आज से लगभग 30–35 साल पहले भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का यह रूप कतई नहीं था।यद्यपि तब भी ऐसा होता था, पर वह न तो इस स्तर पर था और न ही सभी के द्वारा किया जाता था। कुछ कतिपय आदतन भ्रष्ट अधिकारी लुके-छिपे लेन-देन किया करते थे, क्योंकि उन दिनों रिश्वत लेना या देना बेहद शर्म की बात मानी जाती थी। अगर कोई पकड़ा जाता, तो समाज में उसे भारी अपमान और लज्जा का सामना करना पड़ता था। पर आज हालात यह हैं कि डंके की चोट पर रिश्वत मांगी जाती है। न केवल पुलिस व प्रशासन, बल्कि हर विभाग में यह दीमक की तरह घुसकर हर किसी के ईमान को चाट रही है। पर चूंकि पुलिस का सीधे जनता से सामना होता है इसलिए सबसे पहले वही मोहरे बनते हैं। सत्यता तो यह है कि लोगों की नजरों में ऐसी रिश्वत खोरी और भ्रष्टाचार अब अपराध नहीं, बल्कि एक सामान्य व्यवहार बन गया है। अफसर जैसे ही नौकरी में कदम रखता है, गणित शुरू हो जाता है , कौन-सा विभाग मलाईदार है, कौन-सी पोस्ट से कितनी आमदनी होगी, कहाँ कितने पैसे देकर पोस्टिंग मिलेगी।

अब जो व्यक्ति पैसे देकर मलाईदार पोस्ट लेगा, वह गले तक अपने पैसे भी तो वसूलेगा ही। भ्रष्टाचार अब व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रवृत्ति बन गया है। अब केवल उच्च अधिकारी ही नहीं, बल्कि सिर से पैर तक के मातहत कर्मचारी भी इस भ्रष्टाचार रूपी गरबे में खुलकर डांडिया खेलते नजर आते हैं। अफसोस की बात यह है कि अब किसी को इससे शर्म नहीं, बल्कि गर्व होता है कि उसने कितना कमाया है।

ईमानदारी की सजा — लूप लाइन: फिर भी यह कहना बेमानी होगा कि आज हर अधिकारी बेईमान और भ्रष्ट ही है। आज भी इस व्यवस्था में कुछ ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के लिए जाने जाते हैं। पर विडंबना यह है कि उनकी यह ईमानदारी और निष्ठा ही उनके लिए अभिशाप बन जाती है। उन्हें फील्ड पोस्टिंग से हटाकर लूप लाइन में डाल दिया जाता है , जहाँ उनके पास कोई काम नहीं होता, ताकि वे दूसरों की लक्ष्मी आगमन की प्रक्रिया में बाधक न बनें। हरियाणा कॉडर के 1991 बैच के पूर्व IAS अधिकारी अशोक खेमका को अपने 34 वर्षीय सेवा के दौरान 57 बार ट्रांसफर का सामना करना पड़ा क्योंकि उनकी ईमानदारी और पारदर्शिता किसी को भी रास नहीं आती थी। इसी तरह मेरे से चिकित्सा परामर्श लेने वाले मेरे एक मित्र जो 1992 बैच के IAS अधिकारी, वर्तमान में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर पर इसका सजीव उदाहरण हैं।

वे अत्यंत सौम्य, सरल, और जमीन से जुड़े बौद्धिक व्यक्ति हैं। अपनी ईमानदारी, कार्यनिष्ठा और समाज की बेहतरी के लिए जाने जाते हैं। पर यही ईमानदारी उन्हें अक्सर अच्छी पोस्टिंग से वंचित रखती है। इसके बावजूद जहाँ भी वे पोस्ट किए जाते हैं, अपनी पारदर्शिता और निष्ठा से दूसरों के लिए मिसाल बन जाते हैं। लेकिन उनकी यही मिसाल उन अधिकारियों को असहज कर देती है, जिनके लिए भ्रष्टाचार अब दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। ऐसे ईमानदार अफसर आज के सिस्टम में अकेले पड़ जाते हैं क्योंकि वे इस व्यवस्था की रफ्तार के साथ नहीं चल पाते।

आखिर गलती कहाँ है?: यदि गंभीरता से सोचा जाए तो पाएँगे कि सारी गलती उस सोच की है, जिसने सफलता को केवल पद, पैसा और प्रसिद्धि से जोड़ दिया है। आज हर परिवार चाहता है कि बेटा या बेटी IAS, IPS अथवा कोई सरकारी अधिकारी बने – पर यह कोई नहीं पूछता कि वे किस उद्देश्य से यह पद चाहते हैं।

UPSC की सिविल सेवा परीक्षा में Ethics का पेपर उम्मीदवारों की निष्ठा, ईमानदारी और नैतिकता का मूल्यांकन करने के लिए रखा गया है। पर दुर्भाग्य यह है कि वही अधिकारी सेवा में आते ही उन्हीं मूल्यों को ताक पर रख देते हैं, जिनका गुणगान करके वे नौकरी में आए थे। इसका दूसरा कारण है पूरे सिस्टम की सहनशीलता। भ्रष्टाचार अब अपराध नहीं, बल्कि एक प्रवृत्ति बन चुका है। जो अधिकारी या कर्मचारी पकड़े जाते हैं, वे कुछ समय बाद फिर किसी और कुर्सी पर विराजमान हो जाते हैं – क्योंकि समय और पहले कमाया गया पैसा सब भुला देता है। सच ही तो है – जब अपराध का डर खत्म हो जाए और बेईमानी से पुरस्कार, सम्मान और ऐश्वर्य मिलने लगे, तो ईमानदार बने रहना बेहद कठिन हो जाता है। तीसरा कारण है हमारे समाज का बदलता नजरिया। अब लोग अटूट पैसा, आलीशान बंगला और अत्याधुनिक महंगी कारों को ही सम्मान का प्रतीक मानते हैं। यह कोई नहीं पूछता कि किसी के पास इतना धन कैसे आया। अब समाज ईमानदार की नहीं, अमीर की पूजा करता है।

स्मृति शेष

जीवन पर्यन्त हरफनमौला रहे कॉमेडी के बादशाह असरानी

डॉ श्रीगोपाल नारसन
चिंतक, पत्रकार

फिल्म अभिनेता गोवेर्धन असरानी अब हमारे बीच नही है। 84 वर्ष की आयु में दीपावली के दिन उनका निधन हो गया है। उन्हें भारतीय फिल्मों में कॉमेडी के बादशाह के रूप में जाना जाता रहा। गोवेर्धन असरानी का जन्म 1 जनवरी सन 1940में राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुआ था। उनके चार बहनें और तीन भाई हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई की शुरुआत सेंट जेवियर स्कूल जयपुर से की। उसके बाद उन्होंने स्नातक की पढ़ाई राजस्थान कॉलेज से पूरी की। पढ़ाई खत्म होने के बाद उन्होंने कई वर्षों तक बतौर रेडियो आर्टिस्ट काम किया था। असरानी की शादी अभिनेत्री मंजू बंसल ईरानी से हुई। असरानी ने अपनी पत्नी के साथ भी कई फिल्मों में भूमिकाएं अदा की हैं। असरानी अब तक 300 से अधिक हिंदी व गुजरती फिल्मों में अभिनय कर चुकें हैं। वह पिछले पांच दशक से हिंदी सिनेमा में सक्रीय हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा के अमूमन सभी दिग्गज अभिनेताओं के साथ अभिनय किया हैं। फिल्मी दुनिया में अभिनय के अलावा वह एक राजनीतज्ञ भी रहे हैं। उन्होंने सन 2004 में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी व लोकसभा चुनावों के दौरान उहोने कांग्रेस की जनसभाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा भी लिया था। हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं ! फिल्म शोले का यह डायलॉग उनकी जिंदगी में शोहरत लेकर आया था,जो आज भी याद किया जाता है। इस डायलॉग को मशहूर बनाने के पीछे असरानी का ही हाथ है। इस फिल्म में उनका शानदार अंदाज सभी ने देखा है। असरानी की गिनती बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में होती हैं। उन्होंने अधिकांश फिल्मों में कॉमेडी रोल और सपोर्टिव रोल किए हैं। परन्तु अपने अभिनय कौशल से उन्होंने सभी किरदारों में जान डाल दी थी। असरानी के अंदर सिंगिंग का भी हुनर है ,यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि असरानी ने कई हिंदी फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। असरानी के पिता की कारपेट की दुकान थी। मगर, परिवार के बिजनेस में असरानी की बिल्कुल दिलचस्पी न थी। ऊपर से गणित की पढ़ाई में भी वे कमजोर थे। राजस्थान कॉलेज से स्नातक करने के बाद इन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, जयपुर में वॉइस आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरु किया। सन 1964 में उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में दाखिला लिया और वहीं अभिनय सीखा।असरानी ने करीब पांच दशक तक फिल्मों में काम किया है। शुरुआत में असरानी को ज्यादा रोल नहीं मिले इसलिए वो एफटीआईआई में ही शिक्षक बन गए थे। असरानी ने दर्शकों को सिर्फ हंसाया ही नहीं, बल्कि मधुर संगीत भी सुनाया है।सन 1977 में आई फिल्म आलाप में असरानी ने दो गाने गाए, जो उन्हीं पर फिल्माए गए। इसके अलावा फूल खिले हैं गुलशन गुलशन में मशहूर गायक किशोर कुमार के साथ भी एक गाना गाया था।असरानी ने अधिकतर फिल्मों में साइड रोल किए हैं। चला मुरारी हीरो बनने और सलाम मेमसाहब जैसी फिल्मों में उन्होंने लीड एक्टर के तौर पर भी काम किया था।

असरानी ने सन 1967 में रिलीज हुई फिल्म हरे कांच की चूड़ियां से फिल्मों में कदम रखा था। असरानी ने कई फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी है, लेकिन शोले में जेलर के किरदार ने इन्हें खूब लोकप्रियता दिलाई। उन्होंने मेरे अपने, बावर्ची, परिचय, अभिमान, महबूब, बंदिश, चुपके-चुपके जैसी फिल्मों में भी शानदार अभिनय किया है। फिल्म अभिनेता असरानी से मेरी मुलाकात करीब 5 साल पहले उज्जैन के मौनीबाबा आश्रम में हुई थी,वे बाबा के बड़े मुरीद थे और जब तक बाबा जीवित रहे असरानी की आस्था भी उनके लिए बनी रही।असरानी मौनीबाबा को रुद्र का साक्षात स्वरूप मानते थे।असरानी बातचीत में भी हरफनमौला थे और अभिनय में भी हरफनमौला रहे।आठ दशक के अपने जीवन मे असरानी ने लोगो को न सिर्फ खुलकर हंसाया बल्कि एक अच्छे इंसान के रूप में लोगो की जरूरत पड़ने पर मदद भी की। असरानी के मैनेजर बाबूभाई थीबा ने बताया कि असरानी का निधन जुहू के आरोग्य निधि अस्पाताल में हुआ। उनका अंतिम संस्कार भी शाम को ही सांताक्रूज वेस्ट के शास्त्री नगर शवदाह गृह में कर दिया गया। इस मौके पर उनके परिजन और करीबी लोग ही मौजूद थे। असरानी ने एक इंटरव्यू बताया था कि लोग उनको कमर्शियल एक्टर नहीं समझते थे और उन लोगों में सम्पूर्ण सिंह गुलजार भी शामिल थे। उन्होंने बताया था, 'गुलजार साहब ने कहा था ना ना... मुझे वो कमर्शियल एक्टर नहीं समझते थे...बोले कुछ अजीब सा चेहरा है। लेकिन जब उन्होंने एक्टिंग में हाथ दिखाए तो फिर उन्हें पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं मिला।बेशक असरानी अब इस दुनिया में नहीं हैं. लेकिन वे अपने किरदारों से हमेशा जिंदा रहेंगे।

सुविचार

महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि हर बच्चे को पढ़ाया जाना चाहिए, बल्कि हर बच्चे को सीखने की इच्छा दी जानी चाहिए।
– जॉन लुबॉक

यूजर्स गाइड

सर्दियों में फ्रिज चलाने का तरीका बदलने से बचेगी बिजली, लाइफ भी बढ़ेगी

क्या आप भी ज्यादातर लोगों की तरह फ्रिज को सर्दियों में भी उसी तरह इस्तेमाल करते हैं जैसे कि गर्मियों में करते हैं। अगर हां, तो आपको जानकर हैरानी होगी कि किसी भी फ्रिज को गर्मियों और सर्दियों में इस्तेमाल करने का तरीका अलग होता है। एक फ्रिज जितनी ताकत आपके खाने को फ्रेश रखने के लिए गर्मियों में खर्च करता है, उससे कई गुना कम ताकत की जरूरत उसे ऐसा सर्दियों में करने के लिए चाहिए होती है। हालांकि लोग सर्दियों में फ्रिज में जरूरी बदलाव किए बिना उसे गर्मियों के अनुसार सेट सेटिंग्स के आधार पर काम करने देते हैं।

इस वजह से न सिर्फ आपका बिजली का बिल ज्यादा आता है बल्कि फ्रिज के ओवरलोड होने की वजह से उसकी लाइफ भी घट जाती है।

कूलिंग कम कर दें: सबसे पहली चीज जो सर्दियों में आपको अपने फ्रिज के साथ करनी है, वो है फ्रिज की कूलिंग को कम कर देना। अक्सर गर्मियों में फ्रिज को कूलिंग की अधिक्तम सेटिंग पर सेट किया जाता है। इस दौरान फ्रिज अपनी पूरी ताकत और क्षमता के साथ काम करता है। हालांकि इस ताकत की जरूरत फ्रिज को सर्दियों में नहीं होती। आप मान सकते हैं कि सर्दियां फ्रिज के लिए वह समय है, जब वह गर्मियों की थकान उतार सकता है। सर्दियों में फ्रिज की कूलिंग को कम कर देने से उसके कंप्रेसर पर से लोड कम होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कूलिंग कम कर देने के चलते फ्रिज का कंप्रेसर समय-समय पर ज्यादा बार कट मार सकता है और आराम की मुद्रा में जा सकता है। इससे आपकी बिजली बचती है और फ्रिज को ब्रेक मिलने की वजह से उसकी लाइफ बढ़ती है।

स्विच ऑफ करें: अगर आपने गौर किया हो, तो पाएंगे कि फ्रिज एक ऐसा होम अप्लायंस है जो कि लगातार काम करता रहता है। अब मशीन हो या इंसान अच्छे से काम करने के लिए दोनों को ही आराम की जरूरत भी पड़ती है। ऐसे में सर्दियां वह समय होता है जब आप अपने फ्रिज को कुछ समय के लिए ऑफ कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बाहर तापमान कम होने की वजह से सामान के खराब होने की गुंजाइश नहीं रहती। ऐसे में आप अपने फ्रिज को सर्दियों के मौसम में कम से कम 5 से 9 घंटे के लिए ऑफ रख सकते हैं। आप चाहें तो ऐसा महीने में 2 बार या हफ्ते में 2 बार भी कर सकते हैं, जो कि आपकी सुविधा पर निर्भर करता है।

निशाना

सहमा सहमा घर लगता है..!

डॉ. कैलाश सुमन

सहमा सहमा घर लगता है।
परछाईं से डर लगता है।।
अब बच्चों के हाथ खिलौना।
रक्त सना खंजर लगता है।।
कितना जहर भरा मजहब ने।
हर मानव बिषधर लगता है।।
आज इबादत घर में जाना।
खौफनाक मंजर लगता है।।
क्या उम्मीद करें कुसुमों की।
मधुवन ही बंजर लगता है।।
इस देही का मतलब यारो।
हमको सिर्फ सफर लगता है।।

नॉलेज - अपडेट

ज्ञान बढ़ाने के लिए अब विकिपीडिया का इस्तेमाल होता जा रहा कम, नए तरीके अपनाने लगे लोग

हम में से बहुत से लोग इंटरनेट पर जानकारी खोजने के लिए विकिपीडिया करते हैं। दुनिया में लाखों-करोड़ों लोग इस ओपन प्लेटफॉर्म पर आकर अलग-अलग टॉपिक्स के बारे में जानकारी जुटाते हैं। लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। युवा पीढ़ी ने सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म्स का रुख करना शुरू कर दिया है। विकिपीडिया पर आने वाले इंसानी विजिटर्स की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। विकिमीडिया फाउंडेशन के मार्शल मिलर के अनुसार, जेनरेटिव एआई और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल ने विकिपीडिया में इंसानी विजिटर्स की संख्या को कम किया है। आसान भाषा में कहें तो किसी टॉपिक के बारे में और गहराई से जानने के लिए अब लोग विकिपीडिया पर कम जा रहे हैं।

बॉट्स से आ रहा था ट्रैफिक: खबरों के अनुसार, विकिमीडिया फाउंडेशन ने कुछ वक्त पहले ही अपने बॉट डिटेक्शन सिस्टम को अपडेट किया है। इससे पता चला कि मई और जून महीने में असामान्य तौर पर जो ज्यादा ट्रैफिक आ रहा था, वह बॉट्स का ट्रैफिक था। इन बॉट्स को इस तरह बनाय गया था कि उन्हें ढूंढा ना जा सके। इनके पकड़ में आने के बाद पता चला कि विकिपीडिया पर ट्रैफिक बढ़ने के बावजूद इंसानी विजिटर्स की संख?या 8 फीसदी कम हो गई है।

सोशल मीडिया ने बढ़ाई चुनौती: बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया और जेनरेटिव एआई टूल्स ने विकिपीडिया के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि जब सर्च इंजन ही लोगों के सवालों का जवाब देने लग जाएंगे तो विकिपीडिया जैसी वेबसाइटों का ट्रैफिक कम होना तय है। साथ ही युवा पीढ़ी को भी सोशल मीडिया अधिक भा रहा है। वो विकिपीडिया जैसे प्लेटफॉर्म्स पर जानकारी खोजने के बजाए टिकटॉक या इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर जा रही है। लेकिन लोगों तक पहुंच जा रही विकि की जानकारी। हालांकि एक बात खास है कि लोग भले विकिपीडिया पर कम पहुंच रहे हैं, लेकिन एआई समरी के तौर पर सर्च इंजन विकिपीडिया की जानकारी को भी शामिल कर रहे हैं। यानी लोग कम आ रहे हैं, लेकिन विकिपीडिया की जानकारी उन तक पहुंच रही है। मार्शल मिलर का कहना है कि एआई टूल्स, सर्च इंजन और सोशल मीडिया कंपनियां जो भी विकिपीडिया के कंटेंट को इस्तेमाल करती हैं, उन्हें लोगों को विकिपीडिया पर आने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

हेल्थ टिप्स

दीपावली के बाद सेहत के लिए अच्छी डाइट के साथ नींद और एक्सरसाइज जरूरी

दिवाली यानी ढेर सारी मौज मस्ती और अपने मनपसंद व्यंजनों का आनंद उठाना। यह एक ऐसा त्यौहार है कि जिसकी तैयारियां बहुत पहले से ही शुरू हो जाती है फिर चाहे साफ सफाई हो, शॉपिंग हो या फिर खाने का मेन्यू डिसाइड करना हो। यह भागदौड़ दिवाली की रात तक चलती है, ऐसे में आपको काफी थकान हो सकती है। इसके अलावा फेस्टिवल्स पर अक्सर लोग काफी तला, भुना, मसालेदार खा लेते हैं जिसकी वजह से सेहत में गिरावट आ सकती है। ऐसे में अपनी बॉडी को फिट रखने के लिए की गई आपको मेहनत बर्बाद हो सकती है। भागदौड़ और दिनचर्या में गड़बड़ी के कारण कई तरह की शारीरिक समस्याएं हो सकती है इसलिए बॉडी को डिटॉक्स करना बेहद जरूरी होता है।

इस बार दिवाली पर अगर आप बिना किसी टेंशन के एंजॉय करना चाहते हैं और फेस्टिवल के बाद अपना बॉडी को चार्ज कर वापस से हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना चाहते हैं तो कुछ टिप्स आजमा सकते हैं।

हरी सब्जियां और फल: चूंकि दिवाली के मौके पर आपने ढेर सारा मीठा, तीखा और मसालेदार भोजन खाया है इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने पेट को पूरा आराम दें। दिवाली के बाद आप अपनी डाइट को थोड़ा लाइट ही रखें। आप रोजजाना ढेर सारी हरी सब्जियों के अलावा ताजे फलों का भी सेवन करें। अपने जूस, सूप या स्मूदी के रूप में ले सकते हैं।

योगासनों के शुरुआत: त्यौहार की तैयारियों में बिजी रहने के कारण हो सकता है आपने पर्याप्त नींद ना ली हो। दिवाली के बाद आप रोजाना कम से कम 8 घंटे की नींद जरूर लें। इससे आपकी एनर्जी लेवल बढ़ेगी, साथ ही आप काफी फ्रेश महसूस करेंगे। यानी अच्छी नींद लेने से आपका शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। अगर आप रोजाना एक्सरसाइज करते हैं लेकिन दिवाली की तैयारियों के बीच आपको इसके लिए समय नहीं मिल पा रहा था तो फेस्टिवल के बाद आप दोबारा एक्सरसाइज की शुरुआत करें। इसके लिए आप कुछ आसान योगासनों से शुरुआत कर सकते हैं और फिर धीरे-धीरे अपनी वर्कआउट रूटीन में वापस आ सकते हैं।

ज्यादा पानी पिएं: जंक फूड, अल्कोहल या सोडा पीने से आपकी बॉडी डिहाइड्रेट हो सकती है। ऐसे में दिवाली के बाद आपको हाइड्रेशन का भी पूरा ध्यान रखने की जरूरत है। इसके लिए आप अधिक मात्रा में पानी का सेवन करें। इसके अलावा ताजे फलों का जूस, हर्बल चाय,नारियल पानी, आदि भी भी आपको हाइड्रेटेड रहने में मदद करेंगे। अगर आप चाय के शौकीन है और दिवाली के दौरान अपने जमकर चाय पी है तो त्यौहार के बाद आपको इसके सेवन से बचना चाहिए। इसकी जगह आप हर्बल चाय पी सकते हैं। अपनी रेगुलर चाय की जगह आप कैमोमाइल चाय, अदरक की चाय, जीरा सौंफ का पानी आदि जैसे कई हेल्दी विकल्प चुन सकते हैं।

श्रद्धालु नर्मदा नदी में गंदगी हटाकर स्नान करने के लिए हैं मजबूर

बड़ा खतरा... यमुना की तरह नर्मदा में बनने लगे झाग, नाले का गंदा पानी जल को कर रहा मटमैला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम में नर्मदा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (हतज्ञ) की फटकार के बाद भी कोरी घाट के नाला से पूरे शहर का गंदा पानी पवित्र जल में डाला जा रहा है। गंदगी के कारण नर्मदा जल में पिछले दो दिनों से मटमैला झाग बना हुआ है। हालत यह है श्रद्धालुओं को अपने हाथों से गंदगी हटाकर स्नान करना पड़ रहा है। कोरी घाट नाले के गंदा पानी से सेठानी घाट तक नर्मदा जल में झाग और उससे बने बुलबुले सीढ़ियों और गुर्जी के बीच जमा हो गए हैं। इससे नर्मदा जल भी मटमैला होने लगा है। रोजाना सुबह सेठानी घाट, मोरछली घाट, नाव घाट पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को अपने हाथों से नर्मदा जल से गंदगी को साफ कर डुबकी लगाना पड़ रही है।

सीढ़ियों और किनारों से झाग और बुलबुलों को हटाकर श्रद्धालु किसी तरह जगह बनाकर सूर्य को जल अर्पित कर पाते हैं। काले महादेव मंदिर के नीचे से मंगलवारा घाट के किनारे तक तो झाग के कारण श्रद्धालुओं को दूसरे घाटों पर जाकर पूजन करना पड़ रही है। घाट पर तैनात सफाई अमला भी पवित्र जल से झाग को नहीं हटा पा रहा हैं।

नवरात्र में स्थापित होने वाली देवी देवताओं की कई प्रतिमाओं को सेठानी घाट पर विसर्जन किया गया है। यहां प्रतिमाओं को घाट किनारे पवित्र जल में वसर्जित कर उसके पटे (स्टैंड) पानी में छोड दिए गए हैं। इन्हें अभी तक पानी से बाहर नहीं निकला गया है। इस कारण श्रद्धालुओं को स्नान करने में परेशानी हो रही है।

रातभर में जमा हो जाता है झाग

नाले के पानी से बनने वाले झाग को दिन में स्नान करने वाले श्रद्धालु हटा देते हैं। रात में स्नान बंद होने और पानी स्थिर होने से रातभर में नाला का पानी किनारों पर जमा हो जाता है। इससे भारी मात्रा में झाग और बुलबुले बन जाते हैं।

एसटीपी प्लांट का काम शुरू नहीं

नर्मदा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए एमपीयूआईडीसी घरों से निकलने वाले निकासी के पानी के लिए सीवरेज लाइन डाली जा रही है। इसमें कोरी घाट नाला को बंद करने के लिए भी एक एसटीपी प्लांट निर्माण प्रस्तावित है। पंप हाउस के पास जगह भी चिन्हित कर दी गई है लेकिन एसटीपी प्लांट का निर्माण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। इस कारण नाले से रोजाना गंदा पानी नर्मदा में मिल रहा है।

करेंगे जांच- प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

मंडीदीप के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रभारी रवि भारती ने बताया कि नाले के गंदा पानी के कारण नर्मदा जल में झाग और बुलबुले बन रहे हैं। इससे नर्मदा में प्रदूषण की मात्रा की जांच करेंगे। पिछले दिनों सीवरेज लाइन और एसटीपी प्लांट बनाने वाली कंपनी को नोटिस दिया था। कंपनी ने दिसंबर तक एसटीपी प्लांट निर्माण पूर्ण करने के लिखित आश्वासन दिया है।

घर-घर जाकर बांटी मिठाइयां

गंजबासौदा। सावित्री महिला मंडल एवं इनर सोल की अनोखी पहल सबके घर रोशन हो सबके घर में खुशियां हो यह सोच कर दिवाली के अवसर पर घर घर जाकर मिठाई वितरित कर शुभकामनाएं दी। सावित्री महिला मंडल एवं इनर सोल के संयुक्त तत्वाधान में दिवाली के शुभ अवसर पर मिठाई बाटकर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। संस्थापक आदर्श शर्मा द्वारा रात के अंधेरे में घर घर जाकर ऐसे परिवारों को जिनके घर में वास्तव में दीपक की जरूरत थी मिठाई की जरूरत थी ऐसे परिवारों मैं पहुंच कर सावित्री महिला मंडल एवं इनर सोल की टीम ने घर घर जाकर मिठाई पटाखे दीपक रंगोली कलर वितरित किए एवं सबको शुभकामनाएं दी एवं सावित्री महिला मंडल परिवार मै निस्वार्थ भावना से सेवा दे रही बहनों को मिठाई नमकीन दीपक रंगोली कलर देकर फुलझड़ी आदि सामग्री वितरित शुभकामनाएं दी इस अवसर पर इनर सोल के संस्थापक आदर्श शर्मा महिला बाल विकास से रविन्द्र रघुवंशी, संतोष रघुवंशी, मंडल की संरक्षक वंदना तिवारी, सावित्री महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा ,मंडल की बरिषठ उपाध्यक्ष सोनाली शेवडे चुनाव प्रभारी साधना दीक्षित कार्यालय मंत्री रश्मि देशपांडे उपाध्यक्ष मधु पांडे आदि ने ग्रामीण क्षेत्र आजाद नगर एवं डिरोली गांव आदिवासीं क्षेत्र वितरित किए।

कलेक्टर ने गाय को ओढ़ाई चुनरी

नर्मदापुरम। गोवर्धन पूजा के अवसर पर कलेक्टर सोनिया मीना ने सुरभि गौशाला पहुंचकर गौ पूजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गौ माता में दिव्यता और अलौकिक ऊर्जा का वास होता है, जिसके समीप रहने से मन को अनुपम शांति की अनुभूति होती है। कलेक्टर मीना ने गौशाला में पारंपरिक रीति से पूजन करते हुए गौ माता को चुनरी ओढ़ाई और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष गौग्रास खिलाया, जिसमें खिचड़ी, गुड़-चापड़, सुदाना और फल शामिल थे। उन्होंने स्नेहपूर्वक गौ माता का स्पर्श कर वात्सल्य भाव से पूजा संपन्न की।इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, पशुपालन विभाग के डॉ. शैलेंद्र नेमा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पूजा के उपरांत कलेक्टर ने गौशाला का भ्रमण किया और एक बछड़े को स्नेहपूर्वक दुलार भी किया। अपने अनुभव साझा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि वह समय निकालकर अपने निवास परिसर में स्थित गौशाला में भी नियमित रूप से गौ सेवा करती हैं। उन्होंने कहा कि गाय एकमात्र ऐसा पशु है जो समाज और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी है। गौशाला के संचालक पंडित सोमनाथ शर्मा ने जानकारी दी कि सुरभि गौशाला की स्थापना वर्ष 2023 में की गई थी। यहां पहली पालित गौ माता का नाम 'सुरभि' रखा गया था, जिसके नाम पर गौशाला का नामकरण किया गया। कलेक्टर मीना ने गौ सेवा के इस प्रयास को सराहनीय बताया और कहा कि नगर पालिका, पशुपालन विभाग एवं जन सहयोग से गौशाला के विकास के लिए हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।

शहीद हुए पुलिस जवानों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस लाइन परिसर में पुलिस शहीद स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पुलिस विभाग ने अपने वीर शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वर्ष 2024-25 के दौरान देशभर में कर्तव्य पालन करते हुए शहीद हुए 191 पुलिस कर्मियों को स्मरण किया गया। परेड के दौरान पुलिस बल द्वारा अमर शहीदों को सलामी दी गई और शोक शस्त्र की कार्यवाही संपन्न की गई।

कार्यक्रम में नर्मदापुरम के पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा (भा.पु.से.) ने शहीद हुए सभी 191 पुलिस कर्मियों के नामों का वाचन किया। इस अवसर पर नर्मदापुरम कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ला, उप पुलिस महानिरीक्षक प्रशांत खरे, कलेक्टर सोनिया मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन, डीएसपी यातायात संतोष मिश्रा सहित जिले के थाना प्रभारी और पुलिस बल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। पुलिस स्मारक पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि दी।

दीपावली का उल्लास, खूब चली आतिशबाजी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर में दीपावली का उत्साह और उल्लास सारी रात बना रहा। शाम होते ही घरों और दुकानों पर मां लक्ष्मी की पूजा और आराधना शुरू हो गई थी। अधिकांश घरों और दुकानों पर शाम 7 से रात 9 बजे के बीच लक्ष्मीपूजा हुई। इस बीच घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठान दीपक की रोशनी से प्रकाशित दिखाई दिए। इसके साथ ही आतिशबाजी और एक-दूसरे को बधाई देने का सिलसिला भी आधी रात तक चलता रहा। आतिशबाजी को लेकर बच्चों और युवाओ को उत्साह देखने लायक था। वे समूह के रूप में आतिशबाजी करते रहे। भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने मुख्य बाजार में पहुंचकर दुकानदारों को प्रत्यक्ष रूप से बधाईंया दी। कई लोगों ने मध्यरात्रि में मां लक्ष्मी की आराधना की। रात भर आतिशबाजी का दौर चलता दिखाई दिया। बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया के से अपनों को दीपावली की बधाई दी।

राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में खेलकर लौटे सिरोंज के इकराम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जम्मूकश्मीर में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता में खेलकर वापस लौटे शहर के युवा इकराम खान का खेलप्रेमियों ने स्वागत किया। सिरोंज में सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बाद इकराम का चयन मध्यप्रदेश के दल में हुआ था। इसके बाद विदिशा में आयोजित के ंप में अभ्यास के बाद वे वहीं से मध्यप्रदेश की टीम के साथ जम्मू रवाना हो गए थे। वहां पर देशभर की 44 टीमों ने प्रतियोगिता में अपना प्रदर्शन किया। इकराम ने बताया कि प्रतियोगिता में हमारी टीम ने बेहतर प्रदर्शन कर क्वार्टर फाइनल तक अपना स्थान बना लिया था। टीम में फारवर्ड लाइन में खेलने वाले इकराम के पिता शिक्षक और बड़े भाई भी फुटबाल खिलाड़ी है। उनके सिरोंज आगमन पर खेल कोच शान मियां, जमशेद खान और केशव शर्मा ने उनका स्वागत भी किया।

मदनमोहन सरकार मंदिर में कल होगा अन्नकूट महोत्सव

सिरोंज। शहर के मध्य में स्थित प्रतिष्ठित मदनमोहन सरकार के दरबार में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन गुरूवार को होगा। दीपावली के बाद शहर के मंदिरों में अन्नकूट उत्सव की धूम रहती थी। इस बार भी इस आयोजन को लेकर मंदिर प्रबंधन समितियों ने व्यापक तैयारियां की है। इसी तरह प्रतिष्ठित मदनमोहन सरकार के दरबार में अन्नकूट उत्सव का आयोजन गुरूवार को होगा। इस दिन सरकार की संध्या आरती के बाद भक्तों को अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

आपसी रंजिश को लेकर मारपीट,आरोपी ने लगाई फांसी

नर्मदापुरम। जिले के रंढाल गांव में मंगलवार दोपहर विवाद हो गया ।पुरानी दुश्मनी के चलते हुए विवाद में लाठी-डंडों से हुई मारपीट में एक व्यक्ति को सिर में चोट आई है वही मारपीट करने वाले एक आरोपी ने घटना के बाद अपने घर में फांसी लगा ली। देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि मंगलवार शाम को सूचना मिली थी कि बृज मोहन वामने निवासी ग्राम रंढाल के साथ तीन चार लोगों ने मारपीट की है उसके सिर में गंभीर चोट आयी है जिस उपचार के लिए अस्पताल लेकर आए है अस्पताल पहुंची पुलिस ने प्राथमिक उपचार के बाद बृज मोहन को मधुवन अस्पताल में शिफ्ट किया,जहां उसका उपचार जारी है। बताया गया कि मारपीट में अन्य लोगों भी घायल हुए है देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि घायल बृज मोहन की शिकायत पर विजय बामने,शेखर बामने,अर्जुन बामने और नर्मदाप्रसाद बामने के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बच्चों को बांटी मिठाई और सामग्री

नर्मदापुरम। गरीब बच्चे भी दीवाली मना सके इसके लिए नगरपालिका द्वारा किए जा रहे प्रयास सफल हो रहे हैं। उनके लिए बाजार क्षेत्र में बनाए गए नेकी दीवार शुभ लाभ काउंटर पर नागरिकों, व्यापारियों और ग्राहकों द्वारा दीपावली से संबंधित सामग्री जमा कराई गई थी। एकत्रित की गई सामग्री को दीपावली पर नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा गरीब बच्चों को वितरित की गई। साथ ही बच्चों को नए कपड़े वितरित किए गए। उनके बीच पहुंचकर दीपावली मनाई गई। इस अवसर पर अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत, सुरेश सराठे आदि उपस्थित थे। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि दीपावली पर बड़ी पहाड़िया के पास स्थित बस्ति में पहुंचकर गरीब बच्चों में एकत्रित सामग्री वितरित की गई। इस दौरान बच्चे खुशी से झूम उठे। उनकी खुशी देखकर मन प्रसन्न हो गया। बच्चों को फटाखा सामग्री, पूजन सामग्री तथा मूर्ति सहित सभी प्रकार की दीपावली से संबंधित सामग्री प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि साथ ही घरों-घर जाकर सामग्री प्रदान की गई।

मेट्रो एंकर

बड़नगर में गोवर्धन पूजा पर सदियों पुरानी परंपरा देख थम गईं लोगों की सांसें

गायों के पैरों तले लेटे श्रद्धालु! देखकर कांप उठे दर्शक

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में दिवाली के पावन अवसर के आसपास पर कई पुरानी परंपराएं निभाई जाती है। इनमें से एक अनूठी परंपरा उज्जैन जिले से 75 किमी दूर बडनगर तहसील में देखने को मिली। यहां के भिड़ावद गांव में गोवर्धन पूजा की गई फिर अनूठी आस्था देखने को मिली। हालांकि यह अनूठी परंपरा रोंगटे खड़े कर देती है।

दरअसल, गांव में बुधवार की सुबह गोवर्धन पूजन के चलते गाय का पूजन किया गया। पूजन के बाद लोग जमीन पर लेटे और उनके ऊपर से कई गाय निकाली गई। मान्यता है कि ऐसा करने से मन्नतें पूरी होती है। फिर जिन लोगों की मन्नत पूरी हो जाती है वे भी ऐसा करते हैं। इस अनूठी परंपरा के पीछे लोगों का मानना है कि गाय में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास रहता है। इसलिए गाय के पैरों के नीचे आने से देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। दरअसल, आस्था के नाम पर यहां लोगों की जान के साथ खिलवाड़ भी किया जाता है।

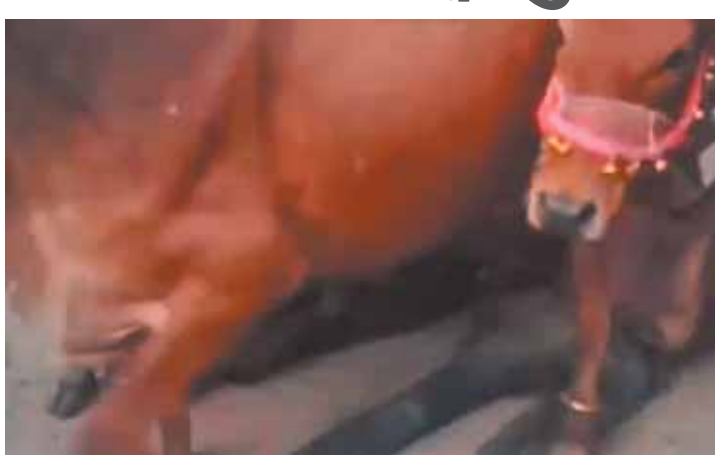

इस वर्ष आज सुबह यहां केवल 2 लोग इस परंपरा को निभाने में शामिल हुए। इनके ऊपर से करीब 24 गायों को निकाला गया। इसके पूर्व के वर्षों में एक दर्जन से अधिक लोग लेटते थे। हालां की यहां वही लोग लेटते है जिन्होंने कोई मन्नत मांगी हो।

उपासकों को छोड़ना पड़ता है घर

दीपावली पर्व के दूसरे दिन होने वाले इस आयोजन में जो लोग शामिल होते हैं, उन्हें वर्षो पुरानी परंपरा का निर्वाह करना होता है। इसके अनुसार लोग पांच दिन तक उपवास करते हैं। दीपावली के एक दिन पहले गांव के माता मंदिर में रुककर रात गुजारते हैं और भजन कीर्तन करते हैं। दीपावली के दूसरे दिन पड़वा पर सुबह पूजन किया जाता है। उसके बाद ढोल बाजे के साथ गांव की परिक्रमा की जाती है।

जोखिम भरी होती है अनोखी परंपरा

एक और गांव की सभी गायों को एकत्रित किया जाता है। वहीं, दूसरी तरफ लोग जमीन पर लेटते हैं। फिर शुरू होती जान जोखिम में डालने वाली अनूठी परंपरा। जिस रास्ते पर लोगों को लिटाया जाता है उस ओर गायों को एक साथ छोड़ दिया जाता है। कुछ ही समय में सारी गायें इन्हें अपने पैरो से रौंदती हुई इन पर से गुजर जाती है। इसके बाद मन्नत करने वाले उठ खडे होते हैं और ढोल की धुन पर नाचने लगते हैं। पूरे गाव मे खुशी का माहौल रहता है। इस दृश्य को देखने के लिए आस पास के गांवों के लोग भी उत्साह के साथ आते हैं।

उधारी के पैसों को लेकर विवाद, तीन लोग घायल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के ग्वाड़ी खुर्द गांव में आपसी विवाद हो गया। पैसों के लेन-देन को लेकर शुरू हुई बहस ने देखते ही देखते खूनखराबे में बदल गई। जानकारी के अनुसार, गांव के निवासी राजकुमार अहिरवार ने अपने परिचित पवन उर्फ पिंटी अहिरवार को कुछ दिन पहले उधार में पैसे दिए थे। मंगलवार रात करीब 8 बजे जब राजकुमार ने पवन से रकम वापस मांगी, तो पवन को यह बात नागवार लगी और दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि पवन ने अपने पास रखे हसिया (धारदार हथियार) से राजकुमार पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में राजकुमार को चोटें आईं। शोरगुल सुनकर राजकुमार की पत्नी सुषमा अहिरवार और पड़ोसी अशोक अहिरवार मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने का प्रयास किया। लेकिन पवन ने अपने साथी अभिषेक अहिरवार के साथ मिलकर उन पर भी हमला कर दिया। इस दौरान दोनों ने मिलकर सुषमा और अशोक को भी घायल कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को तत्काल इटारसी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने सुषमा की हालत गंभीर बताई। और उसे नर्मदापुरम जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

शहर की फिज़ा हुई जहरीली, एक्यूआई 400 के पार, स्वास्थ्य संकट गहराया

अजय आहूजा, मंडीदीप

औद्योगिक शहर मंडीदीप में इस बार दिवाली की रात हर्षोल्लास के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा भी लेकर आई। ठंडी हवा, कमजोर वायु प्रवाह, पटाखों की अधिकता, कारखानों की चिमनियों से निकलने वाला जहरीला धुआं और जर्जर सड़कों से उड़ती धूल ने मिलकर शहर की हवा को इतना जहरीला बना दिया कि वायु गुणवत्ता सूचकांक कई घंटों तक बहुत खराब और गंभीर श्रेणी में रहा। रात के समय ए क्यू आई 400 के खतरनाक स्तर को भी पार कर गया, जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है।

शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक के 400 से ऊपर पहुंचने का मतलब है कि हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक स्तर पर थी। ये कण फेफड़ों और हृदय के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, ठंडी हवा और कम वायु प्रवाह के कारण प्रदूषक तत्व हवा में जमा हो गए, जिससे सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और खांसी जैसी समस्याएं बढ़ गईं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए यह स्थिति बेहद जोखिम भरी रही। मंडीदीप एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जहां कई कारखाने और उत्पादन इकाइयां हैं। स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने बताया कि कई कारखानों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपर्याप्त उपाय हैं, जिसके कारण चिमनियों से निकलने वाला धुआं हवा को लगातार प्रदूषित करता रहता है। इसके अलावा, शहर की जर्जर सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही से उड़ने वाली धूल भी प्रदूषण का बड़ा कारण बनी। विशेषज्ञों ने बताया कि सड़कों पर नियमित छिड़काव और मरम्मत की कमी के कारण धूल के कण हवा में मिलकर वायु गुणवत्ता को और खराब कर रहे हैं।

शहर की सड़कों पर नियमित सफाई के साथ पानी का छिड़काब कराया जायेगा जिससे प्रदुषण के स्तर को नियंत्रित किया जा सके।
–**प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल**, नपा अध्यक्ष मंडीदीप

शहर में वायु गुणवत्ता का स्तर बढ़ने का कारण औद्योगिक क्षेत्र होने के साथ सड़कों से उड़ती धूल भी एक बड़ा कारण है। विभाग द्वारा इसे नियंत्रित करने के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं।
–**के एन कटारे**, क्षेत्रीय अधिकारी

नई नवेली पत्नी ने मारपीट और घर से भगाने का लगाया आरोप

पार्षद ने पद बचाने रचाई बेटी की उम्र की लड़की से शादी, मारपीट का केस...पार्टी ने किया बाहर

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले के एक भाजपा पार्षद काफी सुखियों में छाए हुए हैं। आशिक मिजाज पार्षदजी पर कुछ दिन पहले एक युवती ने किडनैप, मारपीट, कपड़े फाड़ने और रेप जैसे आरोप लगाए थे। पुलिस में एफआईआर होने से पहले पार्षद ने निकाह कर मामला सुलटा लिया था। अब वही नई नवेली दुल्हन फिर थाने पहुंची ओर पार्षद सहित पूरे परिवार पर प्रताड़ना के आरोप जड़ दिए। किरकिरी से बचने भाजपा ने उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

जानकारी अनुसार सागर के भारतीय जनता पार्टी के लाजपतपुरा वार्ड पार्षद नईम खान की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है। हाल में ही उनकी नई पत्नी ने फिर से एसपी ऑफिस पहुंचकर पति नईम खान द्वारा मारपीट करने, खाना नहीं देने और और घर से बाहर निकलने को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि उनके पति नईम खान उन्हें घर रखने की जगह पर अपने ऑफिस में कैद करके रख रहे हैं।

पत्नी का आरोप कई महिला के साथ हैं फोटो

इस मामले में नई खान की नई पत्नी ने एक और गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें उसने कहा है कि उनके पति नईम के कुछ अन्य महिलाओं से भी संबंध हैं। वह इन महिलाओं के साथ नईम की फोटो होने का भी दावा करती है। उसने मीडिया को भी कुछ फोटो उपलब्ध कराए हैं। उसका कहना है कि जब इस बारे में मुझे जानकारी लगी तो पति को टोका, लेकिन वे मारपीट करने लगे।

जिलाध्यक्ष ने उठाया सख्त कदम तो पार्टी से कर दिया निष्कासित

भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने बताया कि नईम खान पर महिला द्वारा प्रताड़ना के आरोप लगाए और पुलिस में शिकायत के बाद पार्षद नईम खान को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया था। लेकिन आज तक उन्होंने लिखित या मौखिक रूप से या स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष नहीं रखा है। उनका यह कृत्य घोर अनुशासन हीनता की श्रेणी में आता है। इसी के चलते पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार पार्षद नईम को तत्काल प्रभाव से 6 वर्ष के लिए भारतीय जनता पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

घर नहीं ले जाते, बोलो तो मारपीट करते हैं

महिला द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार जब भी वह अपने पति नईम खान से अपने घर ले चलने की बात करती है, तो वे मारपीट करते हैं। पत्नी ने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नईम खान ने उनसे निकाह केवल एफआईआर से बचने के लिए किया था। उन्होंने इस मामले में पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि नईम खान के परिवार की ओर से भी कोतवाली पुलिस थाने में पत्नी के खिलाफ हंगामा करने और मारपीट करने की शिकायत की है। जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

बाबा खाटू श्याम मंदिर पर लगाया 56 भोग

मंडीदीप। शहर दशहरा मैदान स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर आज श्री श्याम मित्र मंडल प्रेमियों द्वारा दीपावली मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव का कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे रखा गया है श्री श्याम मित्र मंडल के संस्थापक संजय अग्रवाल ने जानकारी देते हुवे बताया की आज महाप्रसादी दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक रहेगा आयोजन श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में किया जाता है सुबह 11 बजे से भजनों की प्रस्तुति लेकर आ रही है भजन गायिका स्वाति किशोरी भोपाल एवं वैभव शर्मा भोपाल द्वारा भजन प्रस्तुति की जाएगी सतलापुर रोड पर स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर इडंस रॉयल्टी पर मित्र मंडली ने सभी श्याम प्रेमियों से निवेदन किया है अधिक से अधिक संख्या में आकर महाप्रसादी ग्रहण करें एवं कार्यक्रम में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद लें।

दीपावली पर्व पर रंगोली का दिखा क्रेज

तेन्दूखेड़ा। दीपावली पर मां लक्ष्मी के स्वागत में घर आंगन को रांगोली से विशेष रुप से सजाया गया आंगन द्वार पर शुभ लाभ एवं कलश अन्य आकर्षण डिजाइन शामिल की गई। भूमिका यादव ने बताया कि दीपपर्व आंगन में रंगोली डालना सिर्फ रंगोली सिर्फ सजावट नहीं है यह हमारे संस्कार एवं पर्व पर शुभता का प्रतीक भी है रोशनी के इस त्योहार पर समृद्धिदात्री मां लक्ष्मी का स्वागत करने और घर में सकारात्मकता लाने के लिए रंगोली खासतौर पर बनाते हैं दीपावली पर्व पांच दिनों तक घर के मुख्य दरवाजे को खूबसूरत रंगोली से सजाते हैं पूनम रजक ने बताया कि रंग बिरंगी रंगों से बनी रंगोली त्यौहार की रौनक को और भी बढ़ा देती है इसलिए दीपावली के मौके पर हम लोग अपने घर के दरवाजे और घरों में कलरफुल रंगोली बनाते हैं।

किचन में छिपा था 5 फीट लंबा कोबरा

सागर। रेस्क्यू के दौरान गुस्से से फुफकारते और बार-बार जमीन पर फन पटकते एक कोबरा नाग को देखकर सर्पमित्र की मानवता जाग उठी। उसने पहले सांप को ठंडा पानी पिलाया, फिर डिब्बे में बंद कर जंगल में छोड़ने चल दिए। यह नजारा एमपी के सागर में देखने को मिला, जहां स्नेक कैचर बबलू पवार एक घर के किचिन में सांप का रेस्क्यू करने पहुंचे थे। दरअसल सागर के करीला बस्ती के एक घर के किचन में काला सांप निकलने की सूचना मिली थी। सर्पमित्र बबलू पवार जब वहां पहुंचे तो नाग दीवार से होते हुए टीनशेड के नीचे छिप गया था। उन्होंने बड़ी ही सावधानी से उसका रेस्क्यू किया। जब से स्टिक से पकड़कर उसे बाहर लाए तो वह बार-बार फुफकार कर गुस्सा जता रहा था। जमीन पर सिर पटक रहा था। सर्पो के जानकार बबलू पवार ने जिस सांप का रेस्क्यू किया था, वह करीब 5 फीट लंबा और पुराना कोबरा प्रजाति का नाग था। उन्होंने सांप का गुस्सा भांपा और पास ही पड़े एक प्लास्टिक के ढक्कन में पानी रखा तो सांप वाकई पानी पीने लगा। पानी पीने के बाद वह अप्रत्याशित रूप से काफी शांत हो गया था।

ट्रेन की चपेट में आया मजदूर, कटकर मौत

मंडीदीप, दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर मंडीदीप में रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक घटना हो गई। यहां शराब के नशे में धुत एक मजदूर ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही कटकर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मृतक ब्रिज के नीचे शराब पी रहा था और मोबाइल पर किसी से बहस करते करते अचानक रेल पटरी पर उतर गया, जहां तेज रफ्तार ट्रेन ने उसे कुचल दिया। घटना मंगलवार सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज के नीचे शराबियों का जमावड़ा आम बात है। मृतक बैतूल जिले का निवासी था और मंडीदीप में हम्माल (मजदूरी) का काम करता था। हालांकि, खबर लिखे जाने तक हबीबगंज रेलवे स्टेशन की जीआरपी को मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को मंडीदीप के पोस्टमार्टम भवन में रखवा दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, मृतक के साथ और भी कई लोग बैठकर अकेला शराब पी रहे थे। वह मोबाइल पर किसी से बात कर रहा था। बात बात करते अचानक पटरी की ओर बढ़ गया। ट्रेन का हॉर्न बजने के बावजूद नशे में चूर होने से कुछ समझ नहीं आया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। एक अन्य चश्मदीद ने कहा कि इलाके में शराबियों की समस्या बढ़ रही है, और पुलिस प्रशासन को सख्ती बरतनी चाहिए। हबीबगंज जीआरपी इस मामले की जांच में जुटी हैं। पुलिस ने आसपास के मजदूरों से पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों को सूचित करने के प्रयास जारी हैं।

दीपोत्सव के दूसरे दिन घर-घर विधि-विधान से की गोर्वधन पूजन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

पांच दिवसीय दीपोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को जिलेभर में गोवर्धन पूजा, अन्नकूट और परमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। परमा को जहां बाजार में सन्नाटा पसरा रहा तो वहीं घर-घर गोवर्धन पूजन का आयोजन किया गया। महिलाओं द्वारा घरों के बाहर गोबर से गोवर्धन की आकृतियां बनाकर भगवान का पूजन भक्तिभाव से किया गया। इसके अलावा दिवारी नृत्य का आयोजन भी शुरू हो गया। जगह-जगह गाय का पूजन भी किया गया। तेंदूखेड़ा नगर सहित ब्लॉक भर में बुंदेली परंपराओं की थाप देखने मिली। मान्यता अनुसार परमा के दिन गोबर से बने हुए पर्वत की विधिपूर्वक पूजा करने और भगवान कृष्ण को भोग लगाने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है और गाय की पूजा करने का भी विशेष महत्व होता है। मान्यताओं अनुसार गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करने से पूजा करने वाले व्यक्ति को इच्छानुसार फल भी मिलता है। ऐसा भी माना जाता है कि जो व्यक्ति गोवर्धन पूजा करता है, उसके धन और समृद्धि का लाभ होता है और परिवार में खुशहाली रहती है। कहा जाता है कि इस दिन विधि विधान से श सच्चे दिल से गोवर्धन भगवान की पूजा करने से सालभर भगवान श्री कृष्ण की कृपा बनी रहती है वहीं तेन्दूखेड़ा ब्लॉक सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी मंगलवार को गोर्वधन पूजन किया गया जहां सुबह से ही महिलाओं व परिवार के सदस्यों द्वारा अपने घर के आंगन व छतों पर गोबर से गोवर्धन को बनाकर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई जहां तारादेही समनापुर धनगौर दरौली सारसबगली झलौन सैलबाड़ा विश्नाखेड़ी सर्रा ससना सहित विभिन्न ग्रामों में गोर्वधन पूजन किया गया।

मेट्रो एंकर

108 साल पहले से खिरका बांधने की चली आ रही परंपरा

तेंदूखेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामों में मृदंग और नगाड़ियों की धुन पर दिवारी नृत्य की धूम

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के बाजार मोहल्ला में बरगद के पेड़ के समीप व जैन मंदिर के सामने चौराहे पर खिरका बांधकर दिवारी गाने की 108 साल से अधिक पुरानी परंपरा चली आ रही है। कमलेश यादव एवं घनश्याम यादव ने बताया कि खिरका बांधने की परंपरा लगभग 108 वर्ष पहले से चल रही है गांव के बुजुर्ग गांव में सुख समृद्धि बनी रहे एवं मवेशियों को किसी भी प्रकार की बीमारियां न फैलें इसलिए देवी देवताओं की पूजा कर खिरका बांधने की रीति चली आ रही है, जो आज भी कायम है।

यादव समाज के लोग पहले फकीरा यादव के घर पर विधि विधान से पूजन किया जाता है। इसके बाद समाज के लोगों पर देवी देवता की कृपा होने पर भाव आते हैं, फिर अन्नी यादव के घर से मालवा बाबा का स्थान टीआई बंगले के सामने तक सवारी के साथ दीवारी गाते हुए आते हैं जहां विधि विधान से मालवा बाबा की पूजा की जाती है इसके बाद यादव एवं अन्य समाज के लोग समूह में दीवारी गाते हुए जैन मंदिर के सामने आते हैं, जहां पर खिरका जमीन के नीचे गाढ़ा जाता है। इसके बाद जिन लोगों पर देवताओं की सवारी होती है वे लोग गढ़े हुए खिरका को उखाड़ते है और विधि विधान से पूजन पाठ कर मृदंग व नगड़ियों की धुन पर दिवारी गाकर यादव समाज के लोग नाचते है। वहीं मालवा बाबा के स्थान पर सार्वजनिक रूप से लोगों द्वारा चंदा एकत्रित कर मालवा बाबा के स्थान पर दो वर्ष पहले ही चारों ओर बाउंड्रीवॉल बनाई गई।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(Human Resources Division-II)
(मानव संसाधन प्रभाग-II)

मुख्यालय, जे एन स्टेडियम कॉम्प्लेक्स,
गेट नं. 10, लोधी रोड, सीजीओ कॉम्प्लेक्स,
नई दिल्ली- 110003

फाइल संख्या: 01-04001(03)/12/2025-66 दिनांक: 30-09-2025
File No. 01-04001(03)/12/2025-66 Date: 30-09-2025

भारतीय खेल प्राधिकरण भर्ती -कार्यकारी निदेशक पद

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है, अपने मुख्यालय (नई दिल्ली) एवं विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में निदेशक के 08 पदों को भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। यह पद वेतन मैट्रिक्स लेवल-13A, ₹1,33,100- ₹ 2,16,600- (पे-बैंड-4, ₹ 37,400- ₹ 67,000+ ₹ 8,900/- ग्रेड पे) पर प्रतिनियुक्ति (डिप्यूटेशन) सहित अल्पकालीन अनुबंध के आधार पर 03 वर्षों की अवधि के लिए भरे जाएंगे। पात्र अधिकारी निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन निदेशक (मानव संसाधन प्रभाग-I), कक्ष संख्या-210, भारतीय खेल प्राधिकरण, जे.एन.स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, गेट-10, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 पर भेज सकते हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर, 2025 (शाम 5.30 बजे तक) है। विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, प्रारूप एवं निर्देश SAI की वेबसाइट (www.sportsauthorityofindia. nic.in) पर उपलब्ध हैं।

cbc- 47103/12/0014/2526

एकादश के चयन पर उपजे सवाल

आलराउंडर पर दांव व कुलदीप से परहेज क्यों...

वैसे तो टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा हमेशा ही क्रिकेट के लिहाज से रोमांचक कहा जाता है,लेकिन पिछले कुछ दौरों में टीम इंडिया की सफलता ने इनके बीच होने वाली किसी भी सीरीज की अहमियत को एशेज के समकक्ष ला दिया है।यही वजह है अब सारे क्रिकेट जगत की नजरें इनके बीच होने वाली सभी भिड़ंत पर टिकी रहती हैं।एक बार फिर जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गयी है तो क्रिकेट के जानकारों और चाहने वालों के लिए यह दौरा बेहद अहम हो गया है। व्हाईट बॉल दौरे पर असल मे तो टीम इंडिया को कुल 8 मैच खेलने हैं,लेकिन पूरे क्रिकेट जगत की नजरें 3 मैचों की वनडे सीरीज पर टिकी हुई है।वजह एकदम साफ है कि रो..को...का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सफर की लंबाई इसी दौरे में तय हो सकती है। जिसकी शुरुआत पर्थ में बारिश से बाधित पहले मुकाबले में टीम इंडिया की शिकस्त से हो चुकी है।टीम इंडिया के युवा दिग्गज गिल की वनडे कप्तान के तौर पर शुरुआत हार के साथ हुई है।सीरीज के पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने गंभीर सेना को 7 विकेट से हरा कर 1-0 की बढ़त बना ली है।बारिश से बाधित इस मुकाबले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने हार की वजह शुरुआती ओवरों में तीन विकेट गिरने के बाद टीम के लिए वापसी करना मुश्किल बताया हो,लेकिन असल वजह तो एकादश के चयन की चूक रही है। वैसे भी जब टीम इंडिया की एकादश के चयन में 8 नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी शामिल किए जाते हैं तो फिर हार का ठीकरा सिर्फ ऊपरी क्रम पर क्यों थोपा गया।यह सही है कि टीम इंडिया की बल्लेबाजी खराब रही और उसने पावरप्ले में ही रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल के विकेट गंवाए,लेकिन एक सच यह भी है कि रोहित और कोहली चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से पहली बार टीम के लिए खेलने उतरे।रोहित और कोहली 223 दिनों बाद भारत के लिए खेलने उतरे थे।यही वजह है ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी तेज पिच पर वर्ल्ड के दिग्गज तेज गेंदबाजों के सामने दोनों ही बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर सके।भले ही राहुल, अक्षर पटेल और नीतीश रेड्डी ने बल्ले से कुछ हाथ दिखाये जिसकी वजह वनडे मैच को टी20 अंदाज में खेलना कहा जा सकता है क्योंकि मैच मात्र 26 ओवर का कर दिया गया था।हो सकता है अगर मैच 50 ओवर का ही रहता तो मध्यक्रम भी उछाल भरी विकेट पर टॉप आर्डर की तरह जूझता नजर आता।खैर यह सब बातें तो क्रिकेट में अगर मगर के गणित की कही जा सकती हैं जिसके कोई मायने नहीं होते हैं।पर्थ में मिली हार के बाद अब टीम इंडिया एडीलेड के मैदान पर गुरुवार को सीरीज जिंदा रखने के इरादे से उतरेगी।एक बार फिर सभी की निगाहें भले ही रोहित ओर कोहली की बल्लेबाजी पर टिकी हों,लेकिन मेरे नजरिये में टीम इंडिया की अंतिम एकादश का चयन इस मैच में बेहद अहम रहने वाला है।दरअसल टीम इंडिया ने पर्थ में खेले गए पहले मैच में तीन तेज गेंदबाज और इतने ही ऑलराउंडरों के साथ उतरने का फैसला लिया था और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को पहले मैच के लिए एकादश में शामिल नहीं किया था।यह बात वाकई समझ से परे है कि आखिरकार टीम मैनजमेंट चैंपियन गेंदबाज कुलदीप यादव से इतना परहेज क्यों करता है।हाल ही में खेले गए एशिया कप के लीडिंग विकेट टेकर और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ भी सफल रहे कुलदीप को लेकर मैनजमेंट का रवैया इतना बेरुखीपूर्ण क्यों है।वैसे भी ऑस्ट्रेलिया के मैदान बहुत बड़े होते हैं और जब ऑस्ट्रेलिया की टीम में गैर अनुभवी मध्यक्रम हो तो कुलदीप का इस्तेमाल पर्थ में क्यों नही किया गया।मेरे हिसाब से भारतीय टीम में कुछ ही खिलाड़ी हैं जो तीनों फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं,जिसमें कुलदीप यादव हैं।वैसे भी कुलदीप यादव किसी भी फॉर्मेट में हर्षित राना से तो बेहतर विकल्प कहे जा सकते हैं।वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया में 3 विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों पर ही दांव चलना है तो फिर कुलदीप को किसी आलराउंडर के विकल्प के तौर पर आजमाया जा सकता है।मतलब साफ है कि ऑस्ट्रेलिया के बड़े मैदानों पर कुलदीप यादव से परहेज करना टीम इंडिया के लिए नुकसान दायक हो सकता है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि सिर्फ बल्लेबाजी की दम पर ऑस्ट्रेलिया में फतह की आस रखने वाली टीम इंडिया गेंदबाजी को धारदार करने का दम दिखा पाती है या नहीं,जिसके लिए उसको एकादश के चयन में कुलदीप पर दांव खेलना होगा।अंतिम एकादश का मामला भले ही गंभीर हो लेकिन मेरे लिहाज से जीत का मूलमंत्र कुलदीप हो सकते हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के गैर अनुभवी मध्यक्रम को अपने जाल में उलझाने की काबलियत कुलदीप में ही है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

एडिलेड वनडे के लिए कप्तान शुभमन करेंगे बड़ा बदलाव

प्लेइंग इलेवन में कुलदीप की होगी एंट्री! ऑस्ट्रेलियाई टीम में फेरबदल की संभावना

एडिलेड,

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में 7 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। अब भारतीय टीम सीरीज में वापसी के इरादे से दूसरे वनडे मैच में मैदान पर उतरेगी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अक्टूबर (गुरुवार) को एडिलेड ओवल में खेला जाना है। भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 9 बजे शुरू होगा।

एडिलेड वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली बल्ले से शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में इन दोनों दिग्गजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। कोहली अपना खाता भी नहीं खोल पाए थे, वहीं रोहित महज 8 रन बना सके थे। इन दोंनो का ये कमबैक मैच भी था, जिसे वो यादगार नहीं बना पाए। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम की खिताबी जीत के बाद पहली बार रोहित-कोहली भारतीय टीम के लिए खेलने उतरे थे। एडिलेड वनडे के लिए दोनों टीमों की प्लेइंग-11 पर भी फैन्स की निगाहें हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस मुकाबले के लिए प्लेइंग-11 में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को मौका मिल सकता है, जो पहले ओडीआई से बाहर रहे थे।

कुलदीप के खेलने पर किसकी होगी छुट्टी?

कुलदीप यादव के प्लेइंग-11 में ना होने पर कुछ पूर्व क्रिकेटर्स ने हैरानी जताई थी। अब कुलदीप को इस मैच में मौका मिलने की संभावना दिख रही है। कुलदीप यदि खेलते हैं, तो वॉशिंगटन सुंदर या नीतीश कुमार रेड्डी की प्लेइंग-11 से छुट्टी हो सकती है। वैसे सुंदर के प्लेइंग-11 से बाहर होने की ज्यादा संभावना है। दूसरी ओर मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मुकाबले के लिए कम से कम दो फेरबदल जरूर करेगी। स्पिनर एडम जाम्पा और विकेटकीपर एलेक्स कैरी को प्लेइंग-11 में शामिल किया जाएगा। ये दोनों पहले वनडे के लिए स्क्वॉड का हिस्सा नहीं थे। अब ये दोनों बाकी दो वनडे मैचों के लिए टीम में लौट आए हैं। एलेक्स कैरी के वापस आने के बाद अब जोश फिलिप या मैथ्यू रेनशॉ को प्लेइंग-11 से बाहर रहना पड़ सकता है। वहीं एडम जाम्पा को मैथ्यू कुह्नमैन के स्थान पर एकदाश में जगह मिलेगी। कुह्नमैन को स्क्वॉड से रिलीज कर दिया गया है और वो पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए वापसी करेंगे। इसके साथ ही बेन ड्वारशुइस भी पिंडली में लगी चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

भारतीय टीम का फुल स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, कुलदीप यादव, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर) और प्रसिद्ध कृष्णा।

दूसरे वनडे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिचेल ओवेन, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, एडम जाम्पा, जोश हेजलवुड, मार्नस लाबुशेन, एलेक्स केरी (विकेटकीपर) और जेवियर बार्टलेट।

दूसरे वनडे में भारत की संभावित प्लेइंग-11:

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप।

एशिया कप ट्रॉफी भारत को सौंपनी ही होगी

बीसीसीआई का मोहसिन को सख्त मैसेज, अब टालमटोल की तो...

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने हाल ही में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप 2025 जीता था। जीत के बाद भारतीय टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ मोहसिन नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार दिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी एसीसी ऑफिस में छोड़ दी। हालांकि नकवी भारतीय टीम को ट्रॉफी सौंपने को तैयार नहीं हुए। नकवी ने कहा था कि सूर्यकुमार यादव एसीसी ऑफिस आकर ट्रॉफी ले जाएं।

अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने एसीसी प्रमुख मोहसिन नकवी को एक आधिकारिक ईमेल भेजकर कहा है कि विजेता टीम को ट्रॉफी जल्द से जल्द सौंप दी जाए। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, %हमने एसीसी को पत्र लिखा है कि ट्रॉफी चैम्पियन टीम को दी जाए। हम उनके जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अगर प्रतिक्रिया नहीं आई या नकारात्मक रही तो हम आईसीसी को लिखेंगे। हम कदम-दर-कदम आगे बढ़ रहे हैं और इसे लगातार आगे बढ़ाते रहेंगे। देवजीत सैकिया ने साफ कर दिया है कि अगर मोहसिन नकवी एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को राजी नहीं होते हैं, तो बीसीसीआई सख्त एक्शन लेगा। एशिया कप ट्रॉफी यदि भारत को सौंपा नहीं जाता है, तो बीसीसीआई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को इसके लिए पत्र लिखेगा, सैकिया ने ये स्पष्ट कर दिया है।

एशियन यूथ गेम्स : 23 सदस्यीय बॉक्सिंग दल से भारत को उम्मीदें,

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने एशियन यूथ गेम्स 2025 के लिए 23 सदस्यीय मुक्केबाजी दल को बहरीन रवाना किया है। एशियन यूथ गेम्स का आयोजन 22-31 अक्टूबर के बीच होगा। हालांकि, कुछ प्रतियोगिताएं 19 अक्टूबर से शुरू हो गई हैं। यह दल मनामा में आयोजित एशियन यूथ गेम्स में 14 भार वर्गों में देश का प्रतिनिधित्व करेगा। इनमें अंडर-17 आयु वर्ग में लड़के और लड़कियों के लिए सात-सात भार वर्ग शामिल हैं। एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन हॉल 9 में मुक्केबाजी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें सिंगल-एलिमिनेशन फॉर्मेट में तीन राउंड के मुकाबले होंगे। पदक समारोह 30 अक्टूबर, जबकि समापन समारोह 31 अक्टूबर को होगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

भारतीय फिल्मों को ऑस्कर में पहचान मिलने की राह मुश्किल क्यों?

अभिनेत्री किरण राव ने खुलकर रखी अपनी बात

भारतीय सिनेमा को अब 112 साल से यादा हो चुके हैं। इतने लंबे और समृद्ध इतिहास के बावजूद अब तक भारत की कोई फीचर फिल्म ऑस्कर नहीं जीत पाई है। हालांकि इस बार होमबाउंड को भारत की ऑफिशियली एंट्री के रूप में भेजा गया है, जिससे उम्मीदें बंधी हैं। इसी संदर्भ में फिल्ममेकर किरण राव ने आईएएनएस से बातचीत की और भारतीय फिल्मों की वैश्विक पहचान, खासतौर पर ऑस्कर में उन्हें मिलने वाली प्रतिक्रिया को लेकर अपने विचार साझा किए। किरण राव इन दिनों अपनी फिल्म लापता लेडीज की सफलता का जश्न मना रही हैं, जिसे फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में 13 पुरस्कार मिले। यह फिल्म न सिर्फ समीक्षकों की पसंद बनी, बल्कि दर्शकों से भी उसे खूब सराहना

मामला इस बात का

किरण राव ने कहा, ऑस्कर एकेडमी जब किसी फिल्म को पुरस्कृत करती है, तो वह अपने ढांचे, सोच और समझ के आधार पर करती है। कई बार भारतीय फिल्मों में वे चीजें नहीं होती जो एकेडमी के वोटर्स को आकर्षित कर सकें। ऐसा नहीं है कि हमारी फिल्में अछी नहीं होतीं, बल्कि मामला इस बात का है कि कई बार उनका स्वाद और हमारी कहानी का अंदाज मेल नहीं खाता। किरण राव ने आगे कहा कि भारत में हर तरह की फिल्में बनती हैं, बड़े बजट की कमर्शियल फिल्में भी और सोचने पर मजबूर करने वाली संवेदनशील फिल्में भी। उनका विश्वास है कि एक दिन ऐसा जरूर आएगा जब भारत की कोई फिल्म ऑस्कर में जीत हासिल करेगी और पूरे देश को गर्व महसूस होगा। उन्होंने होमबाउंड फिल्म को लेकर खास उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, यह फिल्म एक अछा चुनाव है और इसके जरिए शायद भारतीय सिनेमा को वह वैश्विक पहचान मिल सके जिसकी हम लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे हैं। ऑस्कर की दुनिया सिर्फ फिल्म की गुणवत्ता पर नहीं टिकती, बल्कि उसके पीछे एक पूरा इकोसिस्टम होता है।

जिसमें फिल्म का प्रचार, वितरण और सही

परिणीति चोपड़ा: बैंकर बनने निकली एक लड़की, जो बन गई बॉलीवुड एक्ट्रेस

मुंबई,। पंजाबी परिवार की वो लड़की जो अंबाला की सड़कों पर सपने बुन रही थी, वह आज बॉलीवुड की सबसे चहेती हीरोइन बन चुकी है, नाम है परिणीति चोपड़ा। 22 अक्टूबर 1988 को अंबाला के एक मध्यमवर्गीय पंजाबी परिवार में जन्मी परिणीति ने कभी नहीं सोचा था कि वह सिल्वर स्क्रीन की रानी बनेगी। अंबाला में स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने लंदन के मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल से मार्केटिंग में डिग्री ली। वह एक इन्वेस्टमेंट बैंकर बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। यश राज फिल्म्स में पब्लिसिटी असिस्टेंट की नौकरी मिली और वहीं से शुरू हुई उनकी फिल्मी यात्रा। 2011 में आई लेडीज वर्सेज रिकी बहल ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। उसके बाद इश्कजादे, शुद्ध देसी रोमांस, हंसी तो फंसी और नमस्ते इंग्लैंड जैसी फिल्मों ने साबित किया कि परिणीति हर किरदार में कमाल कर सकती हैं। रोमांटिक, कॉमेडी, एक्शन सबमें फिट ! परिणीति की असली पहचान है उनकी सादगी। फिटनेस फ्रीक, जो योग और डांस से दिन शुरू करती हैं। सोशल मीडिया पर पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, और मेंटल हेल्थ की बात करती हैं। परिणीति चोपड़ा का बॉलीवुड में आना महज एक करियर की कहानी नहीं है; यह किस्मत का एक ऐसा अनोखा दांव है जिसने एक सुव्यवस्थित जीवन योजना को पूरी तरह पलट दिया। जहां हजारों युवा आंखों में सपने लिए अभिनय की दुनिया में आना चाहते हैं।

मेट्रो बाजार

रुपये में उतार-चढ़ाव रोकने के लिए आरबीआई ने अगस्त में बेचे 7.7 अरब डॉलर, बुलेटिन में दावा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को रोकने और अमेरिकी मुद्रा मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट को थामने के लिए अगस्त में 7.7 अरब डॉलर की बिकवाली की। आरबीआई के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की डॉलर की शुद्ध बिक्री 7.69 अरब डॉलर रही। यह पिछले महीने की

तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। आंकड़ों से यह भी पता चला कि रिजर्व बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे। रिजर्व बैंक का घोषित रुख यह है कि वह रुपया-डॉलर विनिमय दर के लिए किसी स्तर या बैंड को लक्ष्य नहीं करता है, बल्कि विदेशी मुद्रा बाजार में केवल तभी हस्तक्षेप करता है जब अत्यधिक अस्थिरता होती है।

अगस्त में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई। सितंबर में भी बढ़ते व्यापार तनाव, बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के कम होने के बीच डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट आई।

फेस्टिव सीजन में हुई रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ की बिक्री, जीएसटी सुधार से दिखा असर

नई दिल्ली। । नवरात्री से लेकर दीपावली तक चलने वाले फेस्टिव सीजन में गुड्स की बिक्री रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान करीब 65,000 करोड़ रुपए की सर्विसेज भी ग्राहकों की ओर से खरीदी गई हैं। यह जानकारी इंडस्ट्री द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई। देश के फेस्टिव सीजन के इतिहास में यह बिक्री का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) की रिसर्च विंग, कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी के अनुसार, यह पिछले साल नवरात्रि से दीपावली की अवधि में हुई 4.25 लाख करोड़ रुपए की फेस्टिव सेल्स की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। सर्वेक्षण में बताया गया कि इसमें रिटेल की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत रही है। ऑफलाइन मार्केट में भी मांग अच्छी रही है।

कन्फेक्शनरी, होम डेकोर, जूते-चप्पल, रेडीमेड कपड़े, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसी प्रमुख उपभोक्ता और खुदरा श्रेणियों में जीएसटी दरों में कमी से मूल्य प्रतिस्पर्धा में काफी सुधार हुआ, जिससे खरीदारी में इजाफा हुआ है। सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 72 प्रतिशत व्यापारियों ने बताया कि उनकी बिक्री में वृद्धि सीधे तौर पर जीएसटी में कमी के कारण हुई। आंकड़ों से मुताबिक, दीपावली के व्यापार में उछाल से लॉजिस्टिक्स, परिवहन, खुदरा सहायता, पैकेजिंग और डिलीवरी जैसे क्षेत्रों में लगभग 50 लाख लोगों के लिए अस्थायी रोजगार पैदा होने का अनुमान है। बढ़ी हुई ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्रय शक्ति ने कुल बिक्री में लगभग 28 प्रतिशत का योगदान दिया।

महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु रागी, गुड़ और देसी घी से बने 'श्री अन्न लड्डू प्रसाद' का लाभ ले सकेंगे

शीतल कुमार अक्षय, उज्जैन

दीपावली महापर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री महाकालेश्वर मंदिर को तीन महत्वपूर्ण सौगातें दीं। उन्होंने पहले चरण में 'श्री महाकालेश्वर आरती भोग श्री अन्न प्रसादम काउंटर' का शुभारंभ किया। यह काउंटर महाकाल लोक परिसर में स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर 'श्री अन्न प्रसाद' पैकेट का लोकार्पण किया और इसे स्वयं क्रय किया। अब महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु रागी, गुड़ और देसी घी से बने 'श्री अन्न लड्डू प्रसाद' का लाभ ले सकेंगे। यह प्रसाद श्रद्धालुओं को महाकाल महालोक स्थित सप्तऋषि मंडल के पास और गेट -01 पर स्थापित काउंटरों से मिलेगा। यह 100, 200 और 500 ग्राम की पैकिंग में क्रमशः 50, 100 और 200 रुपये में उपलब्ध रहेगा। मिलेट्स (रागी) आधारित यह लड्डू स्वास्थ्यवर्धक और रोग प्रतिरोधक गुणों से भरपूर बताया गया है।

'श्री महाकालेश्वर बैंड' का भी लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर मंदिर के 'श्री महाकालेश्वर बैंड' का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार, अब आरती, सवारी और सांस्कृतिक आयोजनों में मंदिर का अपना पारंपरिक बैंड संगीत प्रस्तुति देगा। गोविंद गंधर्व के नेतृत्व में गठित 21 कलाकारों की टीम पारंपरिक वाद्य संगीत के माध्यम से भक्ति और श्रद्धा का वातावरण निर्मित करेगी। लोकार्पण के दौरान बैंड की प्रस्तुति ने मुख्यमंत्री और उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

लाइट एंड साउंड शो में भस्म आरती की दिव्यता

कार्यक्रम के तीसरे चरण में मुख्यमंत्री ने रुद्रसागर महाकाल लोक परिसर में 100 मीटर लंबे वाटर स्क्रीन प्रोजेक्शन एवं फाउंटेन शो का लोकार्पण किया। यह शो मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम और उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के संयुक्त सहयोग से तैयार किया गया है। इस आकर्षक लाइट एंड साउंड शो में भगवान श्री महाकालेश्वर के प्राकट्य, भस्म आरती की दिव्यता, उज्जैन के गौरवशाली इतिहास और सनातन धर्म से जुड़े प्रसंग दिखाए जाएंगे।

उज्जैन के कलेक्टर को निर्देश

हेलीपैड निर्माण के लिए उपयुक्त शासकीय भूमि का चयन करें

उज्जैन। प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने अब प्रदेश के साथ ही उज्जैन शहर और तहसील मुख्यालयों पर भी हेलीपैड निर्माण के लिए योजना बनाई है। इसके लिए उज्जैन कलेक्टर को उपयुक्त शासकीय भूमि चयन करने के लिए कहा गया है। प्रदेश सरकार ने प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को एक नया आयाम देने की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू की जा रही हैं, जिससे सभी प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों और पर्यटन क्षेत्रों को हवाई मार्ग से जोड़ा जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि अगले तीन साल के भीतर राज्य के हर प्रमुख स्थान तक हवाई संपर्क स्थापित हो, जिसके लिए मौजूदा हवाई पट्टियों के विस्तार के साथ-साथ बड़े पैमाने पर हेलीपैड का निर्माण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत उज्जैन सहित पूरे प्रदेश में 200 हेलीपैड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। विमानन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला ने हाल ही में एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला मुख्यालयों पर हेलीपैड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की।

पंजाब के पूर्व डीजीपी मुस्तफा के बेटे अकील की संदिग्ध हालात में पंचकूला में हुई थी मौत

नवजोत सिद्धू के खास पूर्व डीजीपी और पत्नी पर बेटे की हत्या का केस, बहू से अवैध संबंध के आरोप

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और उनकी पूर्व मंत्री पत्नी रजिया सुल्ताना पर अपने ही बेटे की हत्या के आरोप लगे हैं। हरियाणा के पंचकूला में उनके खिलाफ मनसा देवी कॉपलेक्स थाने में हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। पति-पत्नी के अलावा, इस हत्याकांड में बहू और बेटी को भी आरोपी बनाया गया है।

जानकारी के अनुसार, मूल रूप से यूपी के सहारनपुर के रहने वाले मोहम्मद मुस्तफा पंजाब कैडर के 1985-बैच के आईपीएस अधिकारी थे। वह साल 2021 में रिटायर हुए थे और फिर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। वह पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू के करीबियों में गिने जाते थे। हालांकि, पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरेंद्र सिंह के वह धुर विरोधी रहे हैं। उन्होंने पंजाब के अगोर औषध (नशा) नियंत्रण विशेष कार्य बल के डीजीपी के रूप में कार्य किया। साल 2019 में, जब पंजाब में नए डीजीपी नामांकन किया गया, तो मुस्तफा को उस प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया और इसे लेकर विवाद भी हुआ था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही और अपनी मान-बहाली की मांग की थी। बाद में कैप्टन सरकार ने उन्हें डीजीपी के पद से हटाकर दिनकर गुप्ता को तैनात किया। गौरतलब है कि पूर्व डीजीपी की पत्नी रजिया सुल्ताना पंजाब में कांग्रेस सरकार में मंत्री भी रही थी। वह पंजाब विधान सभा के लिए मलरकोटला से कई बार निर्वाचित हुईं। गौरतलब है कि उनके बेटे अकील चंडीगढ़ हाईकोर्ट में वकालत करते थे।

मृतक ने शेयर किया था वीडियो

16 अक्टूबर को पूर्व डीजीपी मुस्तफा के बेटे अकील अख्तर की संदिग्ध हालात में पंचकूला के मनसा देवी कॉप्लेक्स में मौत हो गई थी। शुरुआत में परिजनों ने कहा था कि ड्रग ओवरडोज से मौत हुई थी लेकिन मलेरकोटला में उनके पड़ोसी ने पुलिस को शिकायत दी थी कि अकील की हत्या की गई है। यहां तक कि अकील ने भी कुछ महीने पहले एक वीडियो शेयर किया था कि उनकी पत्नी और पिता के बीच अवैध संबंध हैं और ऐसे में उनकी हत्या की जा सकती है। शिकायत करने वाले ने भी एफआईआर में यही बात लिखी है।

जांच के लिए एसआईटी गठित

पंचकूला की डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। उन्होंने कहा कि 16 अक्तूबर को सेक्टर-4 एमडीसी, पंचकूला में यह घटना हुई थी। प्रारंभिक जांच में कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई थी। हालांकि, बाद में सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट और वीडियो सामने आए थे। पंजाब के मलेरकोटला के रहने वाले शमशुद्दीन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी और अब हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

हवाई सफर होगा आसान

उड़ान के तहत 120 नए रूट्स पर फ्लाइट चलाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

हवाई सफर को आम आदमी की जद में लाने के लिए मसकद से केंद्रीय नागरिक उडड्यन मंत्रालय ने उड़ान स्कीम को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इस फैसले के तहत कई नए रूट्स पर फ्लाइट सर्विस उपलब्ध कराने की बात चल रही है। यह जानकारी रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम- उड़ान की 9 वीं वर्षगांठ के दौरान सिविल एविएशन सेक्रेटरी समीर कुमार सिन्हा ने दी है।

उन्होंने बताया कि उड़ान स्कीम को अब अप्रैल 2027 के बाद भी जारी रखा जाएगा। इसके लिए मंत्रालय एकएक्सपैंडेड उड़ान फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है, जिसके तहत देश के पहाड़ी इलाकों, नॉर्थ-ईस्ट और एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। योजना के तहत, लगभग 120 नए डेस्टिनेशंस को इस नेटवर्क में शामिल करने की तैयारी है। इससे आने वाले समय में छोटे शहरों और दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए फ्लाइट से सफर अब सपना नहीं रहेगा। सिविल एविएशन सेक्रेटरी ने बताया कि मंत्रालय ने हाल ही में उड़ान 5.5 के तहत 150 नए रूट्स के लिए लेटर्स ऑफ इंटेंट जारी किए हैं।

उड़ान स्कीम की अचीवमेंट

स्कीम की शुरुआत 21 अक्टूबर 2016 कोनेशनल सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली उड़ान शिमला से दिल्ली के बीच फ्लैग ऑफ की थी। तब से अब तक यह स्कीम देश की एविएशन स्टोरी का गेम चेंजर बन चुकी है। इस स्कीम का मकसद सिर्फ कनेक्टिविटी नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में बदलाव लाना है। पहले जहां हवाई सफर सिर्फ अमीरों का सपना माना जाता था, वहीं अब छोटे कस्बों और दूरदराज इलाकों के लोग भी अपने शहर से सीधे दिल्ली, मुंबई या चेन्नई के लिए उड़ान भर रहे हैं। उड़ान सिर्फ एक स्कीम नहीं, बल्कि एक सोशल रेवॉल्यूशन है। ये भारत की इंक्लूसिव और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को देश के हर आम नागरिक तक पहुंचने वाली उड़ान है।

एक झलक को उमड़े भक्त

फिर बिगड़ी प्रेमानंद महाराज की तबीयत, पेट का सीटी स्कैन कराने पैथ लैब पहुंचे

मथुरा, एजेंसी

वृंदावन के संत प्रमानंद महाराज की सेहत को लेकर उनके भक्त परेशान हैं। वे उनकी हेल्थ से जुड़ी हर अपडेट के लिए व्याकुल रहते हैं। ऐसे में जब मंगलवार सुबह बिरला मंदिर स्थित एक डायग्नोस्टिक सेंटर में वह पहुंचे तो भक्त उनकी एक झलक को उमड़ पड़े। पुलिस को कानून व्यवस्था संभालने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ी। ऐसी चर्चा है कि प्रेमानंद जी के पेट में सूजन की वजह से दर्द है। इसकी जांच के लिए उन्हें सीटी स्कैन के लिए इस सेंटर पर लाया गया। हालांकि उन्हें बहुत गुप्त तरीके से लाया गया लेकिन लोगों तक यह बात जैसे ही पहुंची वे लोग डायग्नोस्टिक सेंटर के बाहर जमा हो गए। प्रेमानंद महाराज की रिपोर्ट की जानकारी गुप्त रखी जाती है। इसलिए उसमें क्या निकला इस पर कुछ पुष्ट सूचना नहीं है। मेन गेट पर खड़ी भीड़ से बचने के लिए उन्हें लैब के दूसरे दरवाजे से निकाला गया। फिलहाल, उनका मंगलवार का एकांतिक वार्तालाप उनके यूट्यूब चैनल भजन मार्ग पर अपलोड किया गया है। इसमें देखा जा सकता है कि उनके चेहरे और हाथों पर सूजन फिर से बढ़ गई है। उनकी आवाज में भी इसका असर देखा जा सकता है। पिछली बार जब उनकी तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी तो उनके आश्रम की ओर से कहा गया था कि उनका स्वास्थ्य स्थिर है और सुधार की दिशा में अग्रसर है। वे वर्तमान में वृंदावन के राधा केली कुंज आश्रम में हैं, जहां उनका नियमित डायलिसिस किया जा रहा है। आश्रम के अनुसार, महाराज जी की स्थिति स्थिर है और वे धीरे-धीरे स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं।

पुतिन शर्तों पर अड़े, ट्रंप के साथ टली मीटिंग

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अड़ गए हैं और वे किसी भी सूरत में पीछे हटना नहीं चाहते। उन्होंने ऐसी ऐसी डिमांड रख दी है, जिसे पूरा करना न तो डोनाल्ड ट्रंप के बस में है और न जेलेंस्की के। यही वजह है कि हंगरी के बुडापेस्ट में प्रस्तावित ट्रंप-पुतिन मुलाकात को फिलहाल टालने का फैसला लिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह निर्णय रूस की ओर से तत्काल युद्धविराम न करने की स्थिति और हाल ही में अमेरिका द्वारा यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइल्स की आपूर्ति पर निर्णय स्थगित करने के बाद लिया गया।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि रूस ने अमेरिका को भेजे गए एक निजी दस्तावेज (जिसे नॉन पेपर कहा गया) में अपने शांति समझौते की शर्तों को दोहराया। इसमें रूस की मांग शामिल है कि उसे यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण मिलना चाहिए। यह मांग स्पष्ट रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वर्तमान नीति के खिलाफ है, जिसमें वह चाहता हैं कि युद्ध की वर्तमान अग्रिम रेखाएं स्थिर रहें। व्हाइट हाउस के अधकिारियों ने फॉक्स न्यूज से कहा, निकट भविष्य में भी राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात की कोई योजना नहीं है। विदेश सचिव मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच भी कोई मीटिंग नहीं होने वाली है। हालांकि दोनों के बीच एक फोन कॉल जरूर हुई है, जिसमें मीटिंग टालने का फैसला लिया गया। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब से अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइल देने पर फैसला टाला है, पुतिन वार्ता से पीछे हट रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, हम और राष्ट्रपति ट्रंप ने तय किया था कि वार्ता की शुरुआत युद्ध की वर्तमान रेखाओं से होगी। लेकिन जैसे ही लंबी दूरी की क्षमताओं पर निर्णय थोड़ा पीछे चला गया, रूस ने कूटनीति में रुचि कम कर दी। जितनी अधिक लंबी दूरी की क्षमता होगी, उतना ही रूस युद्ध समाप्त करने के लिए इच्छुक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि टॉमहॉक मिसाइलें कूटनीति में एक मजबूत निवेश बन गई हैं और यूक्रेन आगे भी अपने यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ लंबी दूरी के हथियारों पर चर्चा जारी रखेगा।

पाकिस्तान के पंजाब में जल रही ज्यादा पराली

चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी

पाकिस्तान पंजाब में भी पराली जलाने के मामलों ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। वहां भारतीय पंजाब से भी अधिक पराली जल रही है। पूरे उत्तर भारत पर इसका असर देखने को मिल रहा है क्योंकि पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों की वायु गुणवत्ता खराब होनी शुरू हो गई है। पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआई) चंडीगढ़ की संयुक्त टीम की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है जिनके अनुसार आने वाले दिनों में हालात और खराब हो सकते हैं। अगले दो सप्ताह महत्वपूर्ण रहने वाले हैं क्योंकि धान की कटाई के साथ पराली जलाने के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार 1 सितंबर से 20 अक्तूबर तक पाकिस्तान के पंजाब में पराली जलाने के अब तक 3472 मामले सामने आ चुके हैं जबकि भारतीय पंजाब में सिर्फ 471 और हरियाणा में अब तक 281 जगह पराली जली है।

मेट्रो एंकर पश्चिमी अफ्रीका के देशों में पिछले 20 सालों में 50 प्रतिशत तक घट गई आबादी

जादू-टोने के लिए तेंदुओं का हो रहा कत्लेआम, संकट में प्रजाति

लागोस, एजेंसी

लोग समझते हैं कि जंगल की दुनिया हमारे लिए खतरा है लेकिन आंकड़े उठाकर देखें तो कुछ और ही नजर आता है। इंसान ही प्रकृति को बिगाड़ता है, फिर उसी प्रकृति से पूछता है कि प्रलय क्यों आई? इंसानों की वजह से एक और जानवर खतरे में है। एक ऐसा जानवर, जिसके शरीर के धब्बे, धब्बे नहीं लगते बल्कि किसी कलाकार की कला लगते हैं। वो पलक झपकते ही आपकी आंखों से ओझल हो सकता है...तेंदुआ।

वेस्ट अफ्रीका में तेंदुओं का कत्लेआम हो रहा है। वजह-अंधविश्वास। जादू-टोने के लिए तेंदुओं के अंगों का इस्तेमाल ताबीज बनाने के लिए किया जा रहा है। शिकार इतना 'यादा हो रहा है कि अब आधिकारिक तौर पर यहां तेंदुओं की आबादी को खतरे वाली श्रेणी में डाल दिया गया है। पूरे देश में इनकी संख्या घटकर महज ×50 ही रह गई है। अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव संरक्षण संस्था (आईयूसीएन) के आकलन के अनुसार यह पता चल रहा है कि पश्चिमी अफ्रीकी तेंदुए की संख्या बेहद घटी है। यह संख्या घटकर केवल ×50 रह गई है। तेंदुओं को मारने के लिए यहां बहुत ही अजीबोगरीब वजहें सामने आ रही हैं। यहां लोग इसलिए तेंदुओं का शिकार कर रहे हैं क्योंकि इंसान जिन जानवरों का शिकार मांस के लिए करते हैं। तेंदुओं का खाना भी वही जानवर हैं। ऐसे में कंपीटिशन खत्म करने के लिए वो तेंदुओं को ही मार डाल रहे हैं। इसके अलावा ताबीज यानी ग्रिग्री बनाने के लिए भी इनके अंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अफ्रीका में तो तेंदुओं की आबादी पर कोई दिक्कत नहीं हो रही। लेकिन पश्चिमी अफ्रीका में पूरी तस्वीर ही बदल जाती है। ये तेंदुए 11 देशों में पाए जाते हैं। बेनिन, बुर्किना फासो, कोट दी आइवर, घाना, गिनी, गिनी-बिसाऊ, लाइबेरिया, नाइजर, नाइजीरिया, सेनेगल और सिएरा लियोन। पहले के समय पश्चिम अफ्रीका में तेंदुए बड़ी संख्या में मिलते थे। लेकिन पिछले 20 सालों में उनकी आबादी 50 प्रतिशत तक घटी है। यही कारण है कि उन्हें आईयूसीएन की रेड लिस्ट में रखा गया है।

संकटग्रस्त प्रजाति

यहां तेंदुए अब संकटग्रस्त प्रजाति में से एक हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक पश्चिम अफ्रीकी में तेंदुओं की स्थिति बेहद गंभीर है। इन्हें बचाने के लिए फंड की कमी है। उस पर अंधाधुंध शिकार ने स्थिति को और खराब कर दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक क्षेत्रीय रणनीत बनानी होगी, जिसमें सभी देश मिलकर काम करें। पार्क की निगरानी और संरक्षण को मजबूत कर के सफलता मिल सकती है। आस पास के लोगों को भी जागरूक किया जाना चाहिए, ताकि वह शिकार न करें। आखिर में, फ्रग्रिग्रीफ्र का कोई विकल्प ढूंढना चाहिए, जिससे धार्मिक मान्यताओं के कारण यह जानवर बलि न चढ़े।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564